

रिकॉर्डों पर वैभव सूर्यवंशी की नजर : आईपीएल में नए तूफान की दस्तक, कई बड़े कीर्तिमान खतरे में

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में उभर रहा है—वैभव सूर्यवंशी। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बेखोफ अंदाज से उन्होंने क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान खींचा है। अब चर्चा सिर्फ उनकी पारियों की नहीं, बल्कि उन ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स की हो रही है, जिन पर उनकी नजर टिक चुकी है।

सबसे बड़ा रिकॉर्ड, जिसे तोड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए सपना होता है, वह है विराट कोहली द्वारा एक आईपीएल सीजन में बनाए गए 973 रन। यह कीर्तिमान आज भी अटूट माना जाता है, लेकिन सूर्यवंशी की मौजूदा फॉर्म में इस रिकॉर्ड को लेकर नई बहस छेड़ दी है। तेजतर्रार बल्लेबाजी की बात करें तो क्रिस गेल का 30 गैटों में शतक लगाने का रिकॉर्ड भी क्रिकेट इतिहास में खास



स्थान रखता है। सूर्यवंशी जिस रफ्तार से रन बना रहे हैं, उसे देखते हुए यह रिकॉर्ड भी अब चुनौती के दायरे में गजर आ रहा है।

यही नहीं, आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी—175 रन—भी क्रिस गेल के नाम दर्ज है, जो उन्होंने 2013 में खेली थी। सूर्यवंशी ने हाल ही में 37 गैटों में 103 रन की विस्फोटक पारी खेलकर यह संकेत दे दिया है कि अगर उन्हें लंबी पारी खेलने का मौका मिला, तो यह रिकॉर्ड भी खतरे में पड़ सकता है। छकों



की बरसात में भी सूर्यवंशी पोछे नहीं हैं। एक सीजन में भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के 42 छकों का है, जबकि कुल मिलाकर क्रिस गेल के 59 छक्के सर्वोच्च हैं। सूर्यवंशी की आक्रामक शैली को देखते हुए यह अंकड़े भी अब सुरक्षित नहीं लग रहे।

क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि अगर राजस्थान रॉयल्स फाइनल तक पहुँचती है और सूर्यवंशी की पर्याप्त मैच खेलने का मौका मिलता है, तो आईपीएल के कई बड़े रिकॉर्ड्स इतिहास बन सकते हैं। फिलहाल, यह युवा बल्लेबाज अपने प्रदर्शन से यह साफ कर चुका है कि वह सिर्फ खेलने नहीं, बल्कि रिकॉर्ड्स को तोड़ने के इरादे से मैदान में उतरते हैं। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि क्या यह नया सितारा सच में आईपीएल के इतिहास को फिर से लिख पाएगा।

बागडूमर में शासकीय भूमि घोटाले का आरोप, फर्जी पट्टा बनाकर बिक्री का मामला गरमाया



नई दृष्टिबिंदु / नदिनी अहिंवारा

जनपद पंचायत धमघा अंतर्गत ग्राम बागडूमर में शासकीय घास भूमि को फर्जी पट्टा बनाकर अवैध रूप से बेचने का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम की निवासी दामिनी साहू ने इस संबंध में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर निष्पक्ष जांच और दायित्व पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार खसरा नंबर 779, 769, 409 और 147 की शासकीय भूमि को एक सुनियोजित साजिश के तहत फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेच दिया गया। इस पूरे मामले में दीपक सोनी को मुख्य आरोपी बताया गया है, जिस पर आरोप है कि उसने एक निरोह बत्ताकर राम अवतार नेताम, सुरज डिडे, नरसिंह यादव, मेहेरत यादव और सुरेश बारले के साथ मिलकर इस अवैध कार्य को अंजाम दिया।

अवेदिका का कहना है कि इस मामले की शिकायत पूर्व में मिलाई-3 अनुविभागीय अधिकारी को भी की गई थी, लेकिन पूर्व सरकार, उपसरपंच और कुछ अधिकारियों की मिलीभगत के चलते कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे आरोपियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

धमकी और पताइना का भी आरोप

दामिनी साहू ने यह भी आरोप

बंगाल चुनाव में 'खेला' खत्म या 'पोरिबोतोन'? एगजिट पोल में भाजपा को बढ़त टीएमसी की वापसी पर भी दांव

विशेष संवाददाता संदीप सिंह/ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दोनों चरणों का मतदान समाप्त होते ही आए एगजिट पोल ने सियासी तस्वीर को बेहद रोचक बना दिया है। 294 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 148 सीटों की जरूरत है, और अधिकोशा सर्वश्रेष्ठ में भारतीय जनता पार्टी को बहुत मिलती दिखाई दे रही है, जबकि ऑल इंडिया तुगमूल कांग्रेस भी पूरी तरह मुकाबले में बनी हुई है।

2021 के मुकाबले बड़ा बदलाव संकेत

2021 के चुनाव में तुगमूल कांग्रेस ने 216 सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बनाई थी, जबकि भाजपा 77 सीटों पर सिमट गई थी। मौजूदा एगजिट पोल औसत के अनुसार तुगमूल को इस बार नुकसान और भाजपा को उल्लेखनीय बढ़त मिलती दिखाई जा रही है। हालांकि, 2021 में भी एगजिट पोल वास्तविक नतीजों से काफी अलग साबित हुए थे, जिससे इस बार भी अनिश्चितता बनी हुई है।

क्षेत्रवार मुकाबला

उत्तर बंगाल में भाजपा की पकड़ मजबूत बताई जा रही है, जहां उसे स्पष्ट बहुमत मिल सकती है। दक्षिण बंगाल में मुकाबला काटे का माना जा रहा है, जबकि राहद क्षेत्र में भी भाजपा के प्रदर्शन में सुधार के संकेत मिल रहे हैं।

हॉट सीटों पर टिकी नजर

भवांनीपुर, नंदीग्राम, सिंगूर, पानिहाटी और आसननोड जैसी सीटें इस चुनाव में विशेष रूप से चर्चा में हैं। इन क्षेत्रों में न केवल स्थानीय मुद्दे, बल्कि राज्य स्तर की राजनीति का असर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

मुद्दे और विवाद

चुनाव के दौरान संदर्शनाली, फाल्टा जैसी सीटों पर हिंसा और आरोप-प्रत्यारोप ने माहौल को गरमाया। केंद्रीय बलों की तैनाती और उनकी



भूमिका को लेकर भी राजनीतिक दलों के बीच मतभेद सामने आए। वहीं, पहले और दूसरे चरण में उच्च मतदान प्रतिशत को भी चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

नताओं के दावे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया है। वहीं शुभेंद्र अधिकारी ने 180 से अधिक सीटों का अनुमान जताया है। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी और तुगमूल कांग्रेस नेतृत्व अपनी जीत को लेकर आश्चर्यचकित नजर आ रहा है।



एगजिट पोल का रुझान

छह प्रमुख एजेंसियों के अनुमानों में पांच ने भाजपा को बहुमत के करीब या उसके पार दिखाया है, जबकि एक एजेंसी ने तुगमूल कांग्रेस की स्पष्ट वापसी का दावा किया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में भाजपा को 142 से लेकर 200 से अधिक सीटों तक का अनुमान दिया गया है, जबकि तुगमूल कांग्रेस को 100 से 180 सीटों के बीच रखा गया है।

4 मई को फैसला

मतगणना 4 मई को होगी, जिसके बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि बंगाल में खेला जारी रहेगा या पोरिबोतोन की नई एटकथा लिखी जाएगी। फिलहाल एगजिट पोल ने मुकाबले को दिलचस्प जरूर बना दिया है, लेकिन अंतिम फैसला मतगणना के बाद ही सामने आएगा।

कनीय प्रबंधक परीक्षा नीति 2026 में बदलाव की मांग तेज

यूनियन ने प्रबंधन पर भेदभाव का आरोप लगाया



नई दृष्टिबिंदु / मिलाई

कनीय प्रबंधक परीक्षा नीति 2026 को लेकर मिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में असंतोष बढ़ता जा रहा है। बीएसपी अनाधिकारी कर्मचारियों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए नीति में संशोधन की मांग की है। इस संबंध में संघ ने प्रभारी चैयरमैन सह निदेशक (कार्मिक) को पत्र लिखकर कई बिंदुओं पर आपत्ति दर्ज कराई है।

यूनियन के उपमहासचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि 24 अप्रैल 2026 को जारी संकुल में कई ऐसे प्रावधान हैं, जो पदोन्नत कर्मचारियों के हितों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को लेकर पहले भी प्रबंधन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

पदोन्नति प्रक्रिया में असमानता का आरोप

संघ का कहना है कि सीधे नियुक्त एमटीडी और कर्मचारी से पदोन्नत कनीय प्रबंधकों के लिए ए1 ग्रेड में अलग-अलग सेवा अवधि तय करना भेदभावपूर्ण है। जहां सीधे भर्ती कर्मियों को एक वर्ष में आगे पदोन्नति मिल जाती है, वहीं कर्मचारी से अधिकारी बन करमियों को तीन वर्ष का इंतजार करना पड़ता है। यूनियन ने मांग की है कि सभी के लिए समान नियम लागू करने हों। एक-एक वर्ष के अंतराल पर पदोन्नति दी जाए।

अंतिम तिथि निर्धारण पर भी सवाल

यूनियन ने संकुल में अलग-अलग पात्रता मानदंडों के लिए भिन्न-भिन्न अंतिम तिथियां तय करने पर भी आपत्ति जताई है। शैक्षणिक योग्यता के लिए 24 अप्रैल 2026 और अन्य मानकों के लिए 30 जून 2026 की तिथियां निर्धारित करना कर्मचारियों के साथ अन्याय बताया

गया है। विशेष रूप से उन कर्मचारियों को नुकसान बताया गया है, जो अंतिम वर्ष या सेमेस्टर में अध्ययनरत हैं।

न्यूनतम ग्रेड और सेवा अवधि में राहत की मांग

संघ ने परीक्षा में शामिल होने के लिए न्यूनतम ग्रेड और सेवा अवधि को कम करने की भी मांग दोहराई है, ताकि अधिक से अधिक कर्मचारियों को अवसर मिल सके।

वरिष्ठ कर्मचारियों के हित में प्रश्न पत्र बनाने की मांग

यूनियन का कहना है कि पदोन्नति परीक्षा का आधार कार्य अनुभव और प्रबंधकीय दक्षता होना चाहिए, लेकिन हाल के वर्षों में पूछे गए प्रश्न अत्यधिक कठिन रहे हैं, जिससे वरिष्ठ कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। संघ ने मांग की है कि प्रश्न पत्र का स्तर कर्मचारियों की उम्र और कार्य अनुभव को ध्यान में रखते हुए तय किया जाए।

पारदर्शिता पर भी उठाए सवाल

यूनियन ने परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए हैं। अभिषेक सिंह ने आरोप लगाया कि कनीय अधिकारी पदोन्नति प्रक्रिया में पूर्व में भी अनियमितताएं सामने आ चुकी हैं, जिनकी जांच एजेंसियों द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन जानबूझकर विवादित नीतियां लाकर कर्मचारियों का प्रभित कर रहा है। संघ ने इन मुद्दों पर इस्पात सचिव और सेल के मुख्य सतकर्ता पंजीकरण को भी पत्र की प्रतिलिपि भेजी है। अब देखने वाली बात होगी कि प्रबंधन कर्मचारियों को इन मांगों पर क्या निर्णय लेता है।

वैशाली नगर में 'लक्ष्मी' के आगमन पर विधायक रिकेश सेन का तोहफा

माँ शिशु सुरक्षा कवच" योजना का आगाज, 'माँ का दुलार' किट से सजेगा बेटियों का बचपन



नई दृष्टिबिंदु / मिलाई

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने क्षेत्र की जनता को आज एक बड़ी और भावुक सीमात दी है। विधायक ने "माँ का दुलार - माँ शिशु सुरक्षा कवच" योजना का आगाज किया है। इस योजना के तहत 1 माई (मजदूर दिवस एवं बुद्ध पूर्णिमा) के बाद जन्म लेने वाली हर बेटी को विधायक की ओर से एक विशेष 'गिफ्ट ट्रॉली स्ट्रैप' भेंट किया जाएगा, जिसमें नवजात और माँ की जरूरत का हर सामान मौजूद होगा।

बेटी का चाचा बन कर निभाऊंगा फर्ज

योजना की घोषणा करते हुए विधायक रिकेश सेन ने कहा कि मैं खुद एक गरीब परिवार में जन्मा हूँ और मैंने देखा है कि कैसे



संसाधनों के अभाव में माताओं को पुराने गंदे कपड़ों का इस्तेमाल करना पड़ता था। मैं चाहता हूँ कि वैशाली नगर में जन्म लेने वाली हर बेटी को अमीरी जैसी सुख-सुविधा मिले। मैं उस बेटी का चाचा कहलाता पसंद करूँगा।

वया है इस 'जादुई स्ट्रैप' में?

विधायक द्वारा दी जाने वाली इस ट्रॉली में कुल 25 से अधिक ब्रांडेड सामग्रियां शामिल हैं, जिन्हें विशेष रूप से बाहर से मंगवाया गया है और इस पूरे किट की कीमत लगभग 11



हजार रुपये में है।

शिशु के लिए

11 पैडेड आधुनिक लंगोट (सोखने की क्षमता वाले), ब्रांडेड सॉफ्ट कंबल, स्वेटर, मोजे, कैप, तोलिया, बेबी किट (लोशन, साबुन, शैम्पू), मालिश तेल, दूध की बोतल, खिलौने और मनोरंजन के लिए विशेष ड्रेस।

माता के लिए

पौष्टिक आहार हेतु खजूर और खुमानी (ड्राई फ्रूट्स), शॉल, बैडश्री, मोजे, सैनेटीरी और नहाने का साबुन।

स्वच्छता का ध्यान

घर के उपयोग के लिए बर्तन धोने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, बेबी वाइप्स और वाटरप्रूफ मैट (चादर गीली होने से बचाने के लिए)।

अर्चना

फलाई ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हेवी इंडस्ट्रीयल एरिया, मिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें

9329960605, 9827160605, 9098639991

कल से होगी शुरुआत

यह योजना पूर्णतः निशुल्क है और इसका उद्देश्य मध्यम व निम्न आय वर्ग के परिवारों को मदद करना है। विवादों में स्पष्ट किया कि यह किट केवल दिखावे के लिए नहीं है, बल्कि इसमें इस्तेमाल होने वाला हर सामान उच्च गुणवत्ता का है।

मुख्य बिंदु : प्रारंभ तिथि : 1 मई 2026 से।

पात्रता : वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जन्म लेने वाली बेटियां।

विशेषता : माँ और बच्चे दोनों की सेहत और स्वच्छता का पूर्ण पैकेज।

वैशाली नगर के निवासियों ने विधायक की इस पहल का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि यह न केवल एक आर्थिक मदद है, बल्कि बेटियों के प्रति समाज के नजरिए को बदलने की एक सकारात्मक कोशिश भी है।

जनजातीय उत्थान पर बड़ा फोकस : नक्सल मुक्त क्षेत्रों में तेज होगा विकास, नियद नेल्ला नार 2.0 जल्द

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद की बैठक में जनजातीय समुदाय के सर्वोपयोगी विकास को लेकर व्यापक चर्चा की गई और अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर, जो भीगोलि हार से केरल से भी बड़ा क्षेत्र है, दशकों तक विकास से वंचित रहा, लेकिन अब वहां योजनाओं का तीव्र विकास हो रहा है और विकास को नई धारा स्थापित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए देवगुड़ी और सरना स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए प्रभावशी और कड़े कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि परती आवा ग्राम उत्तरार्ध योजना के माध्यम से प्रदेश के 6600 गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ की जा रही हैं, जबकि पौरुष जन्मन योजना के अंतर्गत 32 हजार आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं।

बैठक में निषद नेल्ला नार योजना की उल्लेखनीय सफलता पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने इसके अगले चरण के रूप में निषद नेल्ला नार 2.0 को शीघ्र लागू करने की घोषणा

खास खबर

राज्यपाल ने महाविद्यालय की छात्राओं से हुए रूबरू, सफलता के लिए दिया मार्गदर्शन



नई दृष्टिविंदु / रायपुर

राज्यपाल रमन डेका वहां लोकभवन में संत गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय देवेन्द्र नगर रायपुर की छात्राओं से रूबरू हुए। उन्होंने शैक्षणिक विषयों पर चर्चा कर मार्गदर्शन दिया और उनके प्रश्नों का उचित समाधान किया। लोकभवन के छात्रासह मण्डपम में आयोजित कार्यक्रम में श्री डेका ने अपने प्रेरक उद्घोषण में कहा कि विद्यार्थियों के लिए अनुशासन सबसे जरूरी है। उसके बिना सफलता नहीं मिलती है। जीवन को पूर्ण करने के लिए योजना पूर्वक कार्य करना चाहिए। अच्छी योजना से जीवन भी अच्छा होगा। लक्ष्य प्राप्त के लिए कठिन परिश्रम भी करना होगा। मानवीय गुणों का होना भी आवश्यक है और शिक्षा से ही इन गुणों का विकास होता है। श्री डेका ने कहा कि अपनी खुशी अपने अंदर होती है। दूसरों से तुलना कर दुखी ना रहे बल्कि जो अपने पास उपलब्ध है उससे संतुष्ट रहिए।

श्री डेका ने कहा कि हमारी संस्कृति में महिलाओं का सर्वोच्च स्थान है। उन्होंने नारी की तुलना पानी से करते हुए कहा कि पानी के बिना जीवन असंभव है, उसी तरह नारी के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। चर्चे के दौरान छात्राओं ने अपने प्रश्नों से तनाव को सकारात्मक ऊर्जा में कैसे बदलें, सोशल मीडिया से दूरी बनाने के लिए क्या प्रयास करना चाहिए, कौशल एवं प्रशिक्षण का महत्व, देश व प्रदेश के विकास में किस तरह योगदान दे सकते हैं। विद्यार्थियों ने नारी सशक्तिकरण, उनके स्कूल एवं कॉलेज के जीवन की कौशल प्रेरक घटना और छात्रासह में उनको सजीविक पालन आदा जैसे रोचक प्रश्न पूछे गए। शैक्षिक विभाग के प्रुदर मिश्र ने भी छात्राओं को प्रेरित करने को समाधान प्रारंभ कर मार्गदर्शन दिया। श्री डेका ने छात्राओं को स्मृति निम्न प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रचारार्थ डॉ. उषा अग्रवाल, महाविद्यालय परिवार के सदस्य, शराणी द्वाारा के संत गुरुशिखर लाल जी महाराज, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

पशु चिकित्सा व पशुपालन विज्ञान में डॉ. भीष्मदेव साहू को डॉ. सीएम सिंह नेशनल एक्सिलेंस अवार्ड

रायपुर। सरगुजा जिले के पशु चिकित्सालय मंगारी प्रभागी एवं अनुभव वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. भीष्मदेव साहू को पशु चिकित्सा और पशुपालन विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पशु चिकित्सा, सी.एम.सिंह एक्सिलेंस अवार्ड इन वेटरनरी साइंसेस -2026 से सम्मानित किया गया है। इस प्रसूकार के लिये देश और विदेश के 8 संस्थाओं के द्वारा मूल्यांकन किया गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से पूरे प्रदेश, विशेषकर जिला बांदा, सरगुजा, उनाई नगर एवं साहू समाज में हर्ष और गर्व का माहौल है। इस उपलब्धि के लिए पशुधन विकास मंत्री रामचिवर नेताम ने बधाई दी है।

डॉ. साहू वर्तमान में छत्तीसगढ़ शासन के पशु चिकित्सा सेवाओं के अंतर्गत सरगुजा जिले के अंबिकापुर रिस्मट उप प्रमुख कल्याणल से संबद्ध हैं और विकासखंड बालीली के मंगारी पशु चिकित्सालय प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पिछले लगभग 15 वर्षों से राज्य शासन में पशु चिकित्सा सचन के रूप में कार्यरत हैं और प्राणीमय अर्थव्यवस्था की रूढ़ि माने जाने वाले पशुपालन क्षेत्र को समर्थक बनाने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। संजय डॉ. साहू ने अपने कार्यकाल में पशु चिकित्सा सेवा, जन कल्याणकारी योजनाओं की अधिक प्रभावशी, सुलभ और अभावित क्षेत्रों की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने पास मजबूत फील्ड इन्फार्मेशन के साथ-साथ महान अनुसंधान प्रवृत्ति भी हैं। पशु कल्याण, पित्तन, चिकित्सा और आधुनिक उपचार पद्धतियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। उन्होंने पशु रोग (लघुमी किनन डिजाइन, थैनीटी), कृत्रिम गर्भाधान विषय पर राज्य और खिला स्तर पर संतु चिकित्सक, लाल और अधिकारी और सहयोगियों को ट्रेनिंग प्रदान किये।

राजधानी



ही। उन्होंने कहा कि इस उन्नत पहल के माध्यम से सुदूर अंचलों में बिजली, पानी, सड़क और राशन जैसी मूलभूत सुविधाओं का और अधिक विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर योजना के तहत 36 लाख लोगों की स्वास्थ्य जांच का कार्य निरंतर प्रगति पर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय भूमि के दीर्घकालीन लीज पर दोहन

के मामलों की जांच के निर्देश दिए। साथ ही कोरवा और संसारी दुर्ग जिलों को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल किए जाने के प्रस्ताव को शीघ्र केंद्र सरकार को प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

शिक्षा और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रावासों की सीट वृद्धि, उनके

बेहतर रखरखाव तथा शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने नक्सल मुक्त क्षेत्रों में बच्चों के लिए त्वरित शिक्षण व्यवस्था विकसित करने और खुले में कक्षाएं संवर्धित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। अभियंकार नेशनल हाइवे के निर्माण में हो रही धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कर्मियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही बरसात के दौरान कटने वाले मार्गों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

आदिम जाति विकास विभाग के मंत्री एवं परिषद के उपाध्यक्ष रामचिवर नेताम ने कहा कि बस्तर, सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ जनजातीय अंचलों में लंबे समय तक नक्सलवाद विकास को सबसे बड़ी बाधा बना रहा। बीते चार दशकों की इस चुनौती से मुक्ति मिलने के बाद अब इन क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी एवं तेज क्रियान्वयन संभव हो सका है, जिसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि अब जनजातीय समुदाय तेजी से विकास को मुख्यधारा से जुड़ रहा है और उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

श्री नेताम ने यह भी बताया कि नक्सलवाद के खाल्ते के बाद योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित

हू आ है। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए स्वीकृत योजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से संवेदनशील मुद्दों का त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के बसाहटों तक अब बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंच रही हैं। साथ ही नए छात्रावासों के निर्माण से दूरस्थ क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का बेहतर अवसर मिल रहा है, जिससे उनके समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वनमंत्री केदार कश्यप, बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उमंसी, सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गौमती साय, मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रणव मरपच्छी, विधायक श्रीमती रायनूनी भारत, विधायक चैतनरा अटामी, विधायक विक्रम उंसडी, विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैरुा, विधायक कलकंड ठाकुर, विधायक आशाराम नेताम, मुख्य सचिव विकासश्रीमती, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनामणी वीर, पुलिस महाअधीक्षक अरुण देव गौतम सहित विभिन्न विभागों के सचिव एवं परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चिप्स के ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के उन्नत संस्करण 'सेवा सेतु' का किया शुभारंभ

'सेवा सेतु' से सुशासन और पारदर्शिता को मिलेगी नई मजबूती – मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साव ने नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) से छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स) द्वारा आमजन तक प्रभावशाली, पारदर्शी और डिजिटल नागरिक सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत संचालित ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना के उन्नत संस्करण सेवा सेतु का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्रीअरुण साव और नियंत्रण शक्ति मंत्रिमंडल के सभी मंत्रीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक तकनीकों और ऑटॉफिशियल इंटेलेजेंस के उपयोग से डिजिटल प्रमोशन सोसायटी और अधिक सरकारी और प्रभावी होगी। वर्ष 2003 में प्रारंभ हुए चॉस मॉडल से लेकर वर्ष 2015 के ई-डिस्ट्रिक्ट और अब सेवा सेतु तक छत्तीसगढ़ ने डिजिटल प्रशासन के क्षेत्र में एक लंबी और उल्लेखनीय यात्रा तय की है तथा यह प्लेटफॉर्म अब नागरिक सशक्तिकरण का एक मजबूत माध्यम बन चुका है, जिससे लाखों नागरिकों को लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेवा सेतुह के माध्यम से अब एक ही पोर्टल पर 441 शासकीय सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें 54 नई सेवाएं और 329 री-डायरेक्ट सेवाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब व्हाट्सएप के माध्यम से भी सेवाओं की जानकारी सहज रूप से प्राप्त की जा सकती। आय, जाति, निवास, राशन कार्ड और विवाह पंजीवन



जैसे प्रमुख प्रमाण-पत्रों सहित अब तक 3.2 करोड़ से अधिक ट्रांजेक्शन किए जा चुके हैं और इतने ही प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं, जबकि 30 से अधिक विभागों के एकीकरण के साथ यह प्लेटफॉर्म एक सशक्त नए स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में विकसित हो चुका है। उन्होंने विशेषता व्यक्त किया कि सेवा सेतु राज्य में सुशासन, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की नई मजबूती प्रदान करता है।

उल्लेखनीय है कि इस परियोजना का संचालन राज्य स्तर पर चिप्स द्वारा किया जा रहा है, जबकि खिला स्तर पर जिला कलेक्टर के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट ई-गवर्नेंस सोसाइटी के माध्यम से इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। नई प्रणाली में ऑटॉफिशियल इंटेलेजेंस, आधार, व्हाट्सएप और भाषिणी जैसी उन्नत तकनीकों का एकीकृत उपयोग किया गया है, जिससे नागरिक व्हाट्सएप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं, सेवा की स्थिति की

जाानकारी प्राप्त कर सकते हैं और डिजिटल प्रमाण-पत्र भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही आधार आधारित ई-केवाईसी, डिजी लॉकर, ई-प्रमाण और उमर जैसे प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण कर सेवाओं को और अधिक सरल, सुस्थित और सुलभ बनाया गया है।

सेवा सेतु में ट्रेजरी और ई-चालान का एकीकरण किया गया है, जिससे नागरिक एक ही प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन भुगतान कर तत्काल डिजिटल रसीद प्राप्त कर सकते हैं तथा डीवीटी के माध्यम से योजनाओं की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी, जिसकी रीयल-टाइम ट्रैकिंग एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से संभव होगी। पोर्टल में कृशआर कोड आधारित प्रमाण-पत्र स्थापना, रीयल-टाइम स्टोरेज, डिजिटल सिग्नेचर, रीयल-टाइम डैशबोर्ड और एसआईएस रिपोर्टिंग जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं तथा यह पोर्टल 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे भाषा की

बाधा समाप्त हो गई है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2011 के तहत सेवाओं की समय-सीमा सुनिश्चित करने के लिए ऑटोमेटिक पेनल्टी कैलकुलेशन, समय-सीमा संकेतक और स्वतः शिकायत पंजीकरण जैसी सुविधाएं भी लागू की गई हैं, जिससे जावबदेही और पारदर्शिता को और मजबूती मिलेगी। राज्य में सेवाओं की व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 800 से अधिक लोक सेवा केंद्र, 1000 से अधिक चॉस सेंटर और 15,000 से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर सक्रिय हैं, जहां से नागरिक आसानी से सेवाओं का लाभ ले सकते हैं।

सेवा सेतु में ऑटॉफिशियल इंटेलेजेंस को जनसेवा के केंद्र में रखते हुए आवेदन प्रक्रिया को सरल और तकनीकी रूप से आधारित बनाया गया है, जिससे सरलता और नागरिकों के बीच की दूरी तेजी से कम हो रही है और सेवाएं सीधे नागरिकों के हाथों तक पहुंच रही हैं व्हाट्सएप इंटरफेस के माध्यम से नागरिक विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिससे भाषा की

खनन क्षेत्रों में ड्रोन की निगरानी से खनिज संसाधन की सुरक्षा तथा राजस्व संरक्षण में मिल रही मदद

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर लागू कदमों के लिए तकनीक और नवाचार का सहारा लेते हुए एक बड़ी और निगमिक पहल की है। इसी कड़ी में अब खनन क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की शुरुआत कर दी गई है, जो राज्य में कानून व्यवस्था, खनिज संसाधन की सुरक्षा तथा राज्य संरक्षण की दिशा में अहम कदम साबित हो रहा है।

राज्य सरकार की स्पष्ट मंशा है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को जड़ से खनन किया जाए। आधुनिक तकनीकों के उपयोग से अब खनन क्षेत्रों में रियल टाइम निगरानी संभव हो सकेगी, जिससे

अवैध उत्खनन, परिवहन और संबंधित गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। यह कदम न केवल राजस्व हानि को रोकने, बल्कि अवैध कारोबार में लिस तत्वों के लिए कड़ा संदेश भी साबित होगा। खनिज विभाग का मैदानी अमला पहले से ही अवैध खनन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर रहा था, लेकिन अब ड्रोन तकनीक के जुड़ने से इस कार्रवाई की गति और सटीकता दोनों बढ़ेंगी। ड्रोन से लगभग 5 किलोमीटर तक की रेंज और 120 मीटर तक ऊंचाई से निगरानी की क्षमता के चलते बड़े और दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। ड्रोन के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत पहचान कर मौके पर कार्रवाई की जा सकेगी, जिससे अवैध गतिविधियों में सिलॉनों के बच निकलने को संभावना

लगभग समाप्त हो जाएगी।

खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन में उच्च-रिजॉल्यूशन कैमरा, नाइट विजन और एआई आधारित विश्लेषण प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं, जो व्यापक और सटीक निगरानी सुनिश्चित करती हैं। इसके जरिए बड़े और दुर्गम खनन क्षेत्रों पर भी आसानी से नजर रखी जा सकती है।

यह पहल स्पष्ट संकेत देती है कि राज्य सरकार अवैध खनन के खिलाफ जोरि टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। सरकार का यह साहसिक निर्णय न केवल कानून की सख्ती से पालन सुनिश्चित करेगा, बल्कि खनिज संसाधनों के संरक्षण और पारदर्शी राज्य व्यवस्था की मजबूत करेगा। ड्रोन निगरानी को यह नई व्यवस्था राज्य में सुशासन और तकनीकी नवाचार का मजबूत

उदाहरण बनकर उभर रही है।

इसी कड़ी में 29 अप्रैल 2026 को जिला कांग्रे के तहकापार रेत खनन क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का उपयोग करते हुए समन्वित निगरानी और छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध उत्खनन और परिवहन में संलिप्त वाहनों एवं उपकरणों की पहचान की गई। ड्रोन निगरानी शुरू होते ही अवैध गतिविधियों में शामिल लोग अपने वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।

इसके बाद केंद्रीय उपनरक्षक दल और कलेक्टर (खनिज शाखा) के निदेशन में कार्रवाई करते हुए महानदी के किनारे भूगर्भिक की सीमा पर विशेष अभियान चलाकर एक बसे माउंटन पोकेलेन मशीन जैसीसी (215 एलसी) तथा एक हाथी (क्रमांक CG08AV0975) जप्त किया गया।

विद्यार्थियों की सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन व समर्पण का परिणाम है : सीएम साय

मुख्यमंत्री साय ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम जारी कर विद्यार्थियों को दी बधाई

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन से छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम जारी कर परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष हाई स्कूल परीक्षा में 77.15 प्रतिशत तथा हायर सेकेंडरी परीक्षा में 83.04 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की है, जो प्रदेश की शैक्षणिक प्रगति का सकारात्मक संकेत है। उन्होंने इस उपलब्धि के राज्य के शिक्षा तंत्र, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बेटीयों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की बेटीयों लगातार शिक्षा के क्षेत्र में गौरवार्थमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने इसे न केवल छात्राओं के आत्मविश्वास और परिश्रम का प्रमाण बताया, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का भी प्रतीक बताया।



उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि दूरस्थ एवं अग्रणी क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने प्राचीण सूची में अग्रणी स्थान बनाकर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा

कि सीमित संसाधनों के बावजूद इन विद्यार्थियों ने अपने दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम से उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जो पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा

कि यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का



उपयोग कर निर्माण में करें और विकास भारत तथा विस्तारित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने परिवार, समाज और प्रदेश का गौरव हैं। उनकी प्रतिभा और क्षमताएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। उन्होंने ऐसे विद्यार्थियों, जिन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली है, उन्हें निराश न होने,

आत्मविश्वास बनाए रखने और सकारात्मक सोच के साथ निरंतर प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास करने से एक दिन निश्चित ही सफलता उनके कदम चूमगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेणु पिकू, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोसल परदेशी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।



संपादकीय

विपक्ष में तो पीएम मोदी को मौका दिया है

राजनीति में हाथियार वह राजनीत होता है जो राजनीति के मुद्दे तय करता है। राजनीति के ऐसे मुद्दे तय करता है जिससे एक बड़ा वर्ग जुड़ा होता है और चुनाव में वही बड़ा वर्ग हार-जीत का फैसला करने में अहम भूमिका निभाए नाला होता है। पीएम मोदी ने भाजपा के लिए एक बड़ा मुद्दा चुन लिया है। यह मुद्दा भाजपा का है इस पीएम मोदी ने मोदी सरकार का बाह्य परराज्य तरीके से साबित किया है कि भाजपा तो महिलाओं का आरक्षण देना चाहती है। भाजपा ने महिलाओं को आरक्षण देने के लिए संशोधन विधेयक संसद में लाया था। विपक्ष से उसे पारित करने में संशयोंग करने को कहा था। पारित करने का पूरा श्रेय विपक्ष को देने को कहा था लेकिन विपक्ष की रुचि महिला आरक्षण पारित कर महिलाओं को उठा एक हक देने की जगह संसद में महिला आरक्षण विरोध कर पीएम मोदी को हराने में ज्यादा थी। वह इस बात से खुश हो सकते थे कि उन्होंने मोदी सरकार का सहयोग कर महिला आरक्षण का हक महिलाओं को दिया है लेकिन वे इस पर ज्यादा खुश हुए कि मोदी सरकार का आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित नहीं करवा सके। महिला आरक्षण मामले में पीएम मोदी संसद में हार गए और उन्हें हराने में कांग्रेस की अहम भूमिका रही।

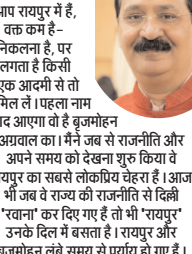
संसद में कांग्रेस ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित नहीं होने दिया। पीएम मोदी ने तो उनको मौका दिया था पर वह मौके का फायदा नहीं उठा पाए। पीएम मोदी जानते थे कि अगर कांग्रेस को महिला आरक्षण पारित करवाने व पीएम मोदी का हक का मौका मिलने पर वह पीएम मोदी को हराने का काम पूरे जोश से करेगी और कांग्रेस ने ऐसा किया है। सच यह है कि कांग्रेस ने वह नहीं किया है जो राहुल गांधी चाहते थे, राहुल गांधी ने वह किया है जो पीएम मोदी चाहते थे। पीएम चाहते थे पूरा देश देखे संसद में कांग्रेस व राहुल गांधी कैसे महिला आरक्षण का विरोध करते हैं और कैसे उसका जखम मारते हैं। अब पीएम मोदी योजना के दूसरे चरण में अग्रसर कर रहे हैं। वह जब वाराणसी में कहते हैं कि सपा व कांग्रेस जैसे राजनीतिक दलों ने फिर देश की महिलाओं को थोका दिया है। यह सारे परिवर्तवादी दल नारी शक्ति से डरे हुए हैं, इसलिए परिवर्तवादी दलों ने संसद में महिला आरक्षण का विरोध किया यह साफ हो जाता है कि अब आने वाले चुनाव के पहले पीएम मोदी कांग्रेस सहित विपक्षी दलों का महिला विरोधी बताने का पूरा प्रयास करेगा।

यही भी पांच राज्यों के चुनाव में अगर कहीं भाजपा की सरकार बनती है तो यही बताया जाएगा कि महिला विरोधी राजनीतिक दलों को महिलाओं ने सबक सिखाया है। पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस ने न बड़बड़का कर दिया है। इससे मतदान पहले से ज्यादा हुआ है। भाजपा व मोदी का पूरा प्रयास होगा कि अगले साल जिन राज्यों में चुनाव है, वहां कांग्रेस व विपक्षी दलों को महिला विरोधी बताने का प्रयास किया जाए। वृषी में अगले साल चुनाव है इसलिए वहां तो कांग्रेस व सपा को महिला विरोधी बताने का प्रयास पीएम मोदी ने शुरू कर दिया है। पीएम मोदी ने महिला आरक्षण को भाजपा का मुद्दा बना दिया है और अब विपक्ष को इसे अपना मुद्दा बनाने में परेशानी होगी। क्योंकि विपक्ष महिला भी कहे कि वह महिलाओं को आरक्षण का समर्थक है लेकिन कहा तो यही जाएगा संसद में तो कांग्रेस के विरोध के कारण ही महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पारित नहीं हुआ।

अब कांग्रेस की मजबूरी है कि जैसे जैसे पीएम मोदी पूरे देश में तो कांग्रेस व विपक्षी दलों की महिला विरोधी प्रचारित करेगे कांग्रेस व विपक्षी दल वैसे वैसे खुद को महिला आरक्षण विरोधी बताने का पूरा प्रयास करेगा। यानी कांग्रेस के न चाहने पर भी महिला आरक्षण बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनगा और कांग्रेस को इस पर बार बार सफाई देने पड़ेगी कि कांग्रेस तो चाहती है कि महिलाओं को आरक्षण मिले। लेकिन पीएम मोदी व भाजपा पूरे देश में यही प्रचार करते रहेंगे कि कांग्रेस महिला विरोधी है इसलिए उसने संसद में महिला आरक्षण को विरोध किया और यह सच भी है, पूरे देश की महिलाओं ने देखा है कि कांग्रेस ने संसद में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का विरोध किया इसलिए महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। पांच राज्यों का चुनाव खत्म होने के बाद कांग्रेस मांग कर रही है कि सरकार महिला आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक बुलाए तो यह उसको मजबूरी है क्योंकि महिलाओं की नाराजगी का मतलब है कि अगले चुनावों में कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक नुकसान।

जन्मदिन प्रसंग (1 मई) : राजनीति के धुरंधर हैं बृजमोहन

प्रो. संजय द्विवेदी



आप रायपुर में हैं, वक्त कहां है, निकलना है, पर लगता है किसी एक आदमी से तो मिल लें। पहले नाम याद आया वो है बृजमोहन अग्रवाल का। मैंने जब से राजनीति और अपने समय को देखना शुरू किया वे रायपुर का सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं। आज भी जब वे राज्य की राजनीति से दिख रहे हैं तो लोग उन्हें "रवाना" कर दिए गए हैं तो भी "रायपुर" उनके दिल में बसता है। रायपुर और बृजमोहन लंबे समय से पर्याय हो गए हैं।

रामसागरपोरा मोहल्ले से लेकर छत्र राजनीति और बाद में राज्य की राजनीति में हमके कुलमोहन की कथा बहुत रोचक है। अजमेर राजनीति और अप्रतिम जनसंपर्क उनकी पहचान है। मध्य प्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ तक उनके चाहने वालों की रैंज बहुत लंबी है। जिसमें कलाकार हैं, पत्रकार हैं, साहित्यकार हैं, रागमंकी हैं और भोज नहीं हैं। आम लोगों के तो वो "मोहन भैया" हैं ही। छत्तीसगढ़ जहां श्रवण बेड्या और कांग्रेस की बहुत गहरी रूढ़ि रही हैं। जो परंपरागत रूप से कांग्रेस का गढ़ रहा है, वहां ऐसी रूढ़ि लोकप्रियता प्राप्त करना साधारण नहीं था।

नुनवी युद्ध के नायक:

बृजमोहन अग्रवाल चुनाव लड़ रहे हो। या चुनाव लड़ा रहे हों, तो वे भाजपा का शुभंकर हैं। उनके मैदान में उतरने मात्र से आधे मैदान मतदान के पहले ही जीत लिया जाता है। वे हैं ही ऐसे कार्यकर्ताओं के नेता। लोगों के दिलों में उठते। भरने के आदमी। इसलिए राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ में हुए उपचुनावों में प्रायः उनको ही चुनाव संचालक बनाया जाता रहा। वे जीत की गारंटी हैं। उनके लिए हर चुनाव जीतने के लिए होता है। वे दिन भर परिश्रम कर सकते और अखंड प्रयास करने वाले राजनेता हैं। संयुक्त मध्यप्रदेश में भीपाल में उनका जो जवाब था, उसके रंग आज भी

संवाद, साहचर्य और मधुर व्यवहार से बनी एक शख्सियत

दिखते हैं। आज भी वे भीपाल में हैं तो लोगों से फिर हैं। छत्तीसगढ़ की स्थापना के 25 साल के बाद भी उनकी पुरानी राजधानी उन्हें भूली नहीं है। बृजमोहन भुलने देते भी नहीं। आप उन्हें बंद न करें। दीवाली पर, होली पर, आपके जन्मदिन पर अचानक उनकी फोन काल, वाट्सअप मैसेज आपको उनसे जुड़े पाए। क्या आदमी है। राजनेता मतलब के रिश्ते हैं। बृजमोहन बेमालुव भी बहुत से रिश्ते रखते हैं। उन्हें क्या जरूरी है वे चुनाव रायपुर से लड़ते हैं लेकिन मध्यप्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र के लोगों से सीधे और जीवंत रिश्ते रखें। जीवन का बहुत सा हिस्सा मध्यक्षेत्र की राजनीति कर अब वे दिल्ली पहुंचे हैं। लेकिन वे दिल्ली में हैं लेकिन दिल्ली में नहीं हैं। सत्ता में लगातार होने ने भी उनको सामान्य बनाया रखा है। उनका समूचा व्यक्तित्व रिश्तों को जीने वाले आदमी की कहानी है।

कुर्सी उन पर नहीं, वे कुर्सी पर बैठे-

सामान्य सी राजनीतिक सफलताएं पाकर इराफे और इश्ये से गायब हो गए लोगों की अनेक कथाएं हम जानते हैं। किंतु सात्वत, परंपरा और लोकसंस्कार के बृजमोहन प्रमाण हैं। विरोधी भी उन्हें नजदगीन नहीं कर पाते। अपने विचारों पर अडिग रहते हुए भी विरोधियों को खुश न समझना उन्हें बड़ा बनाता है। वे लगातार कुर्सीयों पर बैठे पर भी कुर्सी उनपर नहीं बैठी। एक मन से लोगों से मिलना ही आदमीय भाव का प्रमाण करता है। लगता है कि हम हमारे भाई से मिल रहे हैं, अपने दोस्त से मिल रहे हैं। यार से मिल रहे हैं। उनकी व्यक्तित्व अपर है। लोग काम करके थक जाते हैं किंतु लगातार लोगों से मिलना उन्हें जीतने बनाता है। जनता का प्यार ही उनकी शक्ति है। जो उन्हें बिना रूके, बिना थके काम करने के लिए प्रेरित करता है। आदरपूर्ण भाभी साहबवा अ उन्होंने जिस तरह साथ दिया, उनका ख्याल रखा। पूरे परिवार को साथ लेकर चले उस



पर पूरी किताब अलग से लिखी जा सकती है। लेकिन उन- सा होना कठिन है। वे काम करते हैं, फिर भूल जाते हैं। पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया, इसमें दो राय नहीं किंतु उन्होंने भी अपनी कमजोरी से ज्यादा परिश्रम किया। कठिन स्थितियों में भी दृढ़ में बने रहे। अपने विचार के लिए जीने वाले ऐसे राजनेता कितने हैं।

संवाद के सहारे बनाई दुनिया-

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ मेरी कमभूषण, पत्रकारिता की दीक्षा भूमि दोनों हैं। मैं 1994 से उन्हें जानता हूँ। रामसागरपोरा वाले उनके पेंक महान के सामने उनका एक कार्यालय हुआ करता था। वहां पहली बार मैंने उन्हें देखा। मित्र और तब स्तुतिनिक अखबार के लिए काम करने वाले श्री मनोज शुक्ला ने मेरा परिचय उनसे कराया। हमारा गोंग तो एक ही था मैं भी छत्र जीवन में अखिलभारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ा रहा और वे भी एलीवीपी के रास्ते राजनीति में आए थे। मैंने उनका बहुत नाम सुन रखा था। उनके व्यवहार और आत्मीय स्वभाव की चर्चा चर्चाओं और भी मैं मानता हूँ कि संवाद, साहचर्य और मधुर व्यवहार ने उन्हें बहुत विराट बना दिया। बृजमोहन यानि लोकव्यवहार। लोगों से मिलना-जुलना उनके काम आया। यही बृजमोहन अग्रवाल की सरल व्यक्तित्व है। राजनीति में पद, पैसा और

प्रभाव अनेक के पास है, किंतु स्वभाव बृजमोहन के पास है। इसलिए कठिन स्थितियों में भी खड़े रहे। चलते रहे। उभरेगा उन्हें लोड़ नहीं पायी व्यक्ति जनता का प्यार उनके साथ संयुक्त था। इस मामले में बृजमोहन होना साधारण नहीं है। मिलना, मिलते रहना। सुबह चाय बजे तक मिलते रहना। ऐसा मैंने देखा है। मुझे लगता था यह आदमी ऐसा क्यों कर रहा। मैंने अनेक बार उनसे कहा क्यों दिनचर्या का तो ख्याल रखिए। वे हंकरकर दल जाते थे। बीमारियों की उपेक्षा करते हुए। लगातार चाय पीते हुए। पान खाते हुए। वे मिलते रहते। एक बार वे वे सेविका कराया रहे थे, उसी समय बुला लिया। मुझे अजीब सा लगा। क्या करते हैं आप। कुछ तो चैन लीफ्ट अमी लंबा काम करना है, फिर भूल जाते हैं। पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ मिला, जिसकी राजनेता अपेक्षा करते हैं। किंतु उनके पास मित्रों का जो संसार, सामान्य जन की दुआएं, जनता का प्रेममिला वह दुर्लभ है। उनका होना यह भी आवश्यक देता है कि फलाकारों, पत्रकारों और साहित्यकारों से संवाद के लिए आपका इन कलाओं का जाकावर होना जरूरी नहीं है, गुणग्राहक होना आवश्यक है। बृजमोहन गुणग्राहक हैं, इसमें दो राय नहीं। मेरे जैसे न जाने कितने लोग उन्हें सफल, स्वस्थ और ताकतवर देखा चाहते हैं क्योंकि राजनीति के ऐसे ह्यूमरसखर रोय पैदा नहीं होते। उनके निष्पक्ष के लिए एक विचार, एक संकट और स्थिति यथ पर लगाए रहने वाले तपस्वी सावकों की जरूरत होती है। यह सुख है जिस विचार को उन्होंने अपने छत्र जीवन में अपनाया उसी के लिए पूरी जिंजीरी लगा दी। वह स्थिति यही नहीं उनका मांग था, और रहेगा। उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामनाएं।

मैं उन दिनों विलासपुर के दैनिक भास्कर में कार्यरत था। बृजमोहन जी पार्टी से बाहर थे। निष्कासित 6 सालों के लिए। बृजमोहन न प्रसन्न अजीब जोगी सरकार के खिलाफ बोलते रहे, बल्कि पार्टी का काम करते रहे। वे जब भी विलासपुर आते सूचना आ जाती कि भैया आ रहे हैं। वे कार्यालय आते या मिलने के लिए बुलाते। फोन उनको आज्ञा भी गुंजाती है। हूकहो ही संयंत्र विलासपुर आ रहा हूँ। तत्पश्चात् चलेंगे क्या? ठह उनको आत्मीयता विराट है। उनके कारण ही मेरा संबंध श्री मूलचंद अग्रवाल से बना जो विलासपुर से विभागीय और मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री भी रहे। वे प्रायः मूलचंद जी के साई मंगलक में आते और हमारी भेंट होती। आज मूलचंद जी इस दुनिया में नहीं हैं, उनकी यादें हमारे पदों में हैं। विलासपुर में उनकी बड़ी दुनिया थी। बृजमोहन जी यारों के पार हैं। दोस्तों कर ली तो निभाएंगे। वे रिश्तों से बड़ा किसी चीज को नहीं मानते। वे लोगों की दुआएं ही हैं कि आज की प्रगतिपर बढ़ती राजनीति में वे अप्रसंगिक नहीं हुए हैं। देश की राजनीति में

विलासपुर में उनकी बड़ी दुनिया थी। बृजमोहन जी यारों के पार हैं। दोस्तों कर ली तो निभाएंगे। वे रिश्तों से बड़ा किसी चीज को नहीं मानते। वे लोगों की दुआएं ही हैं कि आज की प्रगतिपर बढ़ती राजनीति में वे अप्रसंगिक नहीं हुए हैं। देश की राजनीति में

झुलसती जिंदगी : लू के थपेड़ों से जून-जीवन पर तपिश

एक वैश्विक संस्था एक्सआई इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों और आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बाहिर के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे हैं। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी।

यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहतर कारक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिंता की बात यह है कि गमी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पात्र 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है।

फिरक की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर होटवेक की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यह एक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को होटवेक चलने की चेतावनी दी गई है। गमी का आसम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के

किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिंता की बात यह है कि गमी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पात्र 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है।

फिरक की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर होटवेक की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यह एक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को होटवेक चलने की चेतावनी दी गई है। गमी का आसम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के



समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अर्धघंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाता था। लेकिन पिछले साल गमी की चुनौती का मुकाबला करने। गमी के बढ़ते प्रभावों के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन शैली के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र

व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौकियों पर घूमने से बचा सहे रहें।

शुद्धी के खतरे से जून-जीवन पर तपिश में पानी की फुहार के जरिए गमी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहाल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गमी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्कूलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं। आशंका जलाई जा रही है कि इस सप्ताह दिल्ली में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। बहरहाल, इन समस्या चिंताओं के बीच प्रश्न यह है कि अप्रैल माह में लू बढ़ रही है। दरअसल, अप्रैल माह में ग्री-मार्सुनू जूई पीरियड के चलते जमीन पर प्रवेश वाली जून धूम गमी का एक कारण है। बताया जाता है कि हिमालयी क्षेत्रों में कम

वफरवाही की गमी बढ़ने का एक कारक है। वहीं समुद्री तट के गर्म होने से भी गर्मी का असर तेज हो रहा है।

फलतः वातावरण में ठंडक लाने वाली हवाएं व सिरफत कमजोर हो रहे हैं, वे ही गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वहीं शुष्क हवाएं वादल बनने में अक्षम पैदा कर रहे हैं। बाहिर की संभावना को अवसर दे रही है। निश्चित रूप से यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव हैं। भी देते हैं। वह वर्मानों में भी, भविष्य में भी और तापमान बढ़ने की चिंता भी दर्शाता है। आशंका है कि भविष्य में तापमान में तीव्रता और बार-बार होटवेक चलने की स्थिति बढ़ सकती है। हाल-फिलहाल मानसून से पहले की फुहारों के मजबूत लक्षण नरत नहीं आ रहे हैं, अतः मौसम बदलाव है कि जल्दी वादल न होने से इस माह के बाकी दिनों में भी हमें गमी की तपिश झेलने को मजबूर होना पड़ेगा।

छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र

सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रभावी पहल

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और समग्र कल्याण को सौवीक प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्यसभा में वृद्धजनों के लिए एक मजबूत और संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा तंत्र विकसित किया है, वहीं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में विभागीय योजनाएं प्रभावी रूप से शरारत पर क्रियान्वित हो रही हैं। इन प्रयासों से वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

सरल प्रक्रिया, सहज लाभ

राज्य में वरिष्ठ नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए किसी अलग सैनियर सिटीजन कार्ड की आवश्यकता नहीं है। आधार कार्ड एवं वेब दस्तावेजों के माध्यम से आयु और पात्रता का स्वयंसेवक प्रमाणित किया जा रहा है, इसके पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और सुलभ बनी है।

वृद्धाभ्रम - सम्मानजनक जीवन का आधार

प्रदेश के राजधानी रायपुर सहित विभिन्न जिलों में संचालित 27 वृद्धाभ्रम निराग्रित एवं अवधार वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधाित आश्रय बनकर उभरे हैं। वर्तमान में वहां 675 वृद्धजनों लाभान्वित हो रहे हैं। वहां निःशुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक सुविधाएं निमित्त रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिल रहा है।

पैलिगटिव केयर (प्रशामक गृह)

:- विशेष देखभाल की व्यवस्था

गंभीर रूप से बीमार एवं बिस्तर पर आश्रित वृद्धजनों के लिए राज्य में 13 प्रशामक गृह संचालित हैं। वर्तमान में रायपुर, कबीरवाड़ा, दुर्ग, बाबिल, रायगढ़ एवं बेंमोरा में 140 वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। इन केंद्रों में निरंतर देखभाल, उपचार सहयोग और आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जिससे संवेदनशील स्थिति में भी उन्हें मानवीय और सम्मानजनक जीवन मिल सके।

वृद्धावस्था पेंशन :-

आर्थिक संबल का आधार

सामाजिक सुरक्षा के तहत पात्र वृद्धजनों को नियमित पेंशन दी जाती है। बीपीएल एवं एवईसीसी पेंशन समूह के वृद्धजनों को 500 रुपए प्रतिमाह तथा 80 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को 680 रुपए प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जा रही है। यह सहायता उनके दैनिक जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान को मजबूती देती है।

सहायक उपकरण और तीर्थ यात्रा :- नई ऊर्जा का संचार

वरिष्ठ नागरिक को सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत रायपुर शासन द्वारा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के निराश्रित वृद्धजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस योजना के तहत विविध स्वास्थ्य परामर्श के आधार पर अधिकतम 6000 रुपए तक के उपकरण जैसे दवाइये, बैंडेज, बैसाची, छड़ी, श्रवण यंत्र, चरमा, ट्राइसाइकल सहित



अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की जाती है, जिससे उनका जीवन अधिक सहज बन सके।

19 प्रमुख तीर्थ स्थलों की तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से उन्हें आध्यात्मिक और मानसिक संतुलन का अवसर मिल रहा है, जो उनके जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14 यात्राओं के माध्यम से 10 हजार 694 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है।

समग्र कल्याण की दिशा में

निरंतर प्रयास

छत्तीसगढ़ शासन का लक्ष्य केवल सहायता

प्रदान करना नहीं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों को समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, आवास, सहायक सुविधाओं और सामाजिक जुड़ाव के माध्यम से राज्य अपने वरिष्ठ नागरिकों को पुनर्भूत बनाती है, जिससे वे का संचार बढ़ता है और पौष्टी को जड़ें गहराई तक पाती हैं। इसके उपयोग से मिट्टी को पानी सोखने की शक्ति बढ़ जाती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में यह प्रयास आने वाले समय में और अधिक परिणाम देने की दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे।

लेखक उप संचालक (जनसंपर्क) हैं।

हरी खाद- खेती में बढ़ावा उत्पादन, मिट्टी की सेहत होगी बेहतर

धनंजय रावोर, संयुक्त संचालक जनसंपर्क

आज के दौर में टिकाऊ खेती की ओर बढ़ना समय की मांग है। रसायनों के बोझ तले खेती मिट्टी को हानि देने के लिए हरी खाद एक बेहतर न समाधान बनकर उभरी है। यह न केवल फसलों की पैदावार बढ़ाती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जमीनी की उर्वरता को भी सुरक्षित रखती है। मिट्टी बेवगी, तो किसान बेवगी और किसान बेवगी, तो देश समृद्ध होगा।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को खेती में हरी खाद के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और उत्पादन में सुधार लाने में मदद मिल सके। विभाग के अनुसार खेत के खेतों में लगातार रसायनिक उर्वरकों के अधिक उपयोग से मिट्टी में लाभदायक सूक्ष्म जीवों की गतिविधियां कम हो रही हैं और मिट्टी की संरचना भी प्रभावित हो रही है।

यहां है हरी खाद : हरी खाद वह सदायक फसल है जिसे मुख्य फसल बोने से पहले खेत में उगाया जाता है और फूल आने की अवस्था में ही उसे हल चलाकर मिट्टी में दबा दिया जाता है। ढैंवा, सरस, लोबिया, मूंग और उड़द जैसी फसलें हरी खाद के लिए सबसे उपयुक्त पानी जाती हैं। हरी खाद के तहत कई फसलों का उपयोग किया जाता है। जिसमें दहनशील और बिना दहनशील फसलें शामिल होती हैं। हरी खाद के लिए झाड़ियों और पेड़ों की पत्तियां, टहनियां और भी उपयोग में ला सकते हैं, लेकिन इसके लिए विशेष रूप से ढैंवा फसलों का उपयोग किया जाता है। इन फसलों को खेतों में लगाकर भूमि में सुधार किया जाता है।

मिट्टी की सेहत में सुधार : हरी खाद का सबसे बड़ा प्रभाव मिट्टी की भौतिक और रासायनिक संरचना पर पड़ता है। यह मिट्टी में नाइट्रोजन और कार्बनिक पदार्थों (ब्यूसर) की मात्रा को तेजी से बढ़ाती है। हरी खाद मिट्टी को पुनर्भूत बनाती है, जिससे वे का संचार बढ़ता है और पौष्टी को जड़ें गहराई तक पाती हैं। इसके उपयोग से मिट्टी को पानी सोखने की शक्ति बढ़ जाती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में यह प्रयास आने वाले समय में और अधिक परिणाम देने की दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे।

उत्पादन में वृद्धि और लागत में कमी : जब मिट्टी स्वस्थ होती है, तो उत्पादन का बज्जा निश्चित है। हरी खाद के प्रयोग से पैदावार में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा सकती है। गूरिया और अन्य



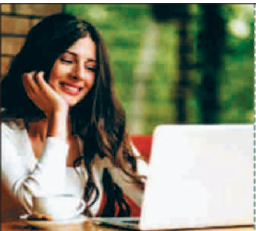
रासायनिक खादों पर निर्भरता कम हो जाती है, जिससे किसान को फसल की लागत घटती है। मिट्टी की उर्वरता बढ़ने से मिट्टी की उपाजक शक्ति कम हो रही है, ऐसे में हरी खाद प्राकृतिक तरीके से मिट्टी को पुनर्जीवित करने का सबसे सुलभ विकल्प है।

हरी खाद बनाने की सही विधि : क्षेत्र को जलवायु के अनुसार सरस या ढैंवा का चुनाव करें। बुवाई का समय मानसून की शुरुआत (जून-जुलाई) इसके लिए सबसे उपयुक्त है। जब फसल लगभग 40-50 दिन की हो जाए और उसमें फूल आने लगें, तब उसे पतटा लगाकर या रोटोवेटर की मदद से मिट्टी में मिला दें। फसल के बाद 10-15 दिनों तक खेत में पानी नपाएं रखें ताकि खाद अच्छी तरह सड़कर मिट्टी का हिस्सा बन जाए।

हरी खाद के प्रयोग से बढ़ेगी आय : हरी खाद केवल एक उर्वरक नहीं है, बल्कि वह मिट्टी का उपचार है। यदि किसान हर दूसरे या तीसरे साल अपने खेत में हरी खाद का प्रयोग करें, तो न केवल उनकी आय बढ़ेगी, बल्कि हम समाज को रसायनों से मुक्त, शुद्ध और पौष्टिक अनाज भी उपलब्ध करा पाएंगे।

हरी खाद के प्रयोग से बढ़ेगी आय : हरी खाद केवल एक उर्वरक नहीं है, बल्कि वह मिट्टी का उपचार है। यदि किसान हर दूसरे या तीसरे साल अपने खेत में हरी खाद का प्रयोग करें, तो न केवल उनकी आय बढ़ेगी, बल्कि हम समाज को रसायनों से मुक्त, शुद्ध और पौष्टिक अनाज भी उपलब्ध करा पाएंगे।

उत्पादन में वृद्धि और लागत में कमी : जब मिट्टी स्वस्थ होती है, तो उत्पादन का बज्जा निश्चित है। हरी खाद के प्रयोग से पैदावार में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा सकती है। गूरिया और अन्य



नौकरी के साथ करें ये काम, 1 घंटे में होगी अच्छी कमाई

पैसे की जरूरत सभी को होती है। ऐसे में कई बार सैलरी के बाद भी हमें एक्स्ट्रा पैसों चाहिए होते हैं। हालांकि आप चाहे तो पार्ट टाइम काम करके भी काफी पैसे कमा सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप 1 घंटे पार्ट टाइम काम करके महीने के हजारों रुपये कमा सकती हैं।

कॉन्टेंट राइटर

कॉन्टेंट राइटर की जरूरत सभी कंपनी को होती है। ऐसे में आप चाहे तो डेली का एक घंटा कॉन्टेंट राइटर के तौर पर नौकरी कर सकती हैं। हिंदी या अंग्रेजी किसी भी भाषा में आप कॉन्टेंट लिखकर पोस्ट कर सकती हैं। एक लेख के लिए आप चाहे तो हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

वीडियो एडिटिंग

वीडियो एडिटिंग का भी आप काम कर सकती हैं। अगर आपको वीडियो एडिटिंग का काम आता है तो किसी भी कंपनी के लिए या इंप्लूएंसर के लिए आप वीडियो एडिटिंग का काम कर सकती हैं। वीडियो एडिटिंग के जरिए आप किसी एक वीडियो के लिए हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

कोचिंग क्लास

अगर आपको किसी भी विषय में अच्छी एक्जर्ट है तो आपको उस विषय का बच्चों को कोचिंग क्लास देना चाहिए। इसके जरिए भी आप चाहे तो काफी अच्छी कमाई कर सकती हैं। एक घंटे की कोचिंग क्लास में आप चाहे तो 10 से 12 बच्चों को एक साथ ऑनलाइन क्लास दे सकती हैं। अगर आप प्रति स्टूडेंट 2 हजार भी चार्ज करती हैं तो आप काफी पैसे कमा सकती हैं।

टिवटर अकाउंट करें मैनेज

किसी सेलिब्रिटी का आप टिवटर अकाउंट भी मैनेज करके हजारों रुपये कमा सकती हैं। आपको केवल उनके तरफ से ख़ास और इंटरस्टिंग पोस्ट करना होगा। इस काम को करने के लिए आपको केवल 1 घंटे का समय चाहिए। इसके बदले आप हजारों रुपये की कमाई कर सकती हैं।



नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, एंजेल इन्वेस्टमेंट और शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमा सकते हैं।

आज के दौर में, महंगाई बढ़ रही है और खर्च भी बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में केवल सैलरी पर निर्भर रहना मुश्किल हो सकता है। इसलिए, एक्स्ट्रा इनकम के स्रोत ढूँढना बेहतर विकल्प हो सकता है। इसके साथ ही आपके एंजेलिंग को भी कोई ऐतराज नहीं होगा। अपनी रिस्कलेस और अनुभव का इस्तेमाल करके ऑनलाइन या ऑफलाइन फ्रीलांसिंग काम कर सकते हैं। नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, इनमें से कुछ तरीके ये हैं।

ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया पर पेज प्रमोशन, स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग, फ्रीलांसिंग, लेखन, वीडियो अपलोड करना, ईमेल मार्केटिंग, एफिलिएट मार्केटिंग एंजेल इन्वेस्टमेंट, दोस्तों-रिश्तेदारों को लोन देना, म्यूचुअल फंड, ज्योतिष या टैरो परामर्श देना, डिजिटल पाठ्यक्रम या ई-किताबें बनाना और बेचना, प्रोडक्ट लॉन्च करना और वेबसाइट डोमेन नाम खरीदना और बेचना। इनके अलावा, आप ये काम भी कर सकते हैं।

- ऑनलाइन पढ़ाान
- वेब डिजाइन
- वीडियो एडिटिंग
- ऑनलाइन सर्वेक्षणों में हिस्सा लेना
- फ्रीलांसिंग में शामिल होना
- टेम्पलेट और प्रिंटेड जैसे डिजिटल उत्पाद बनाना और बेचना
- ई-किताबें लिखना और उन्हें अमेज़न किंडल पर बेचना

दोस्त या रिश्तेदार को लोन देकर ज्यादा ब्याज कैसे कमाएं?

एफडी में निवेश करने पर आपको 7-8 फीसदी से ज्यादा ब्याज नहीं मिलता है, जबकि लोन पर आप 10-11 फीसदी ब्याज वसूल सकते हैं। लोन की रकम, ब्याज दर, चुकोती की अवधि और शर्तों आदि का उल्लेख करते हुए एक लिखित समझौता ज़रूर करें। यह समझौता दोनों पक्षों के हितों की रक्षा करेगा और किसी भी विवाद से बचाएगा। ब्याज दर तय करते समय बाजार की ब्याज दरों का ध्यान रखें। बहुत ज्यादा ब्याज दर लगाने से आपको रिश्ता खराब हो सकता है। अगर आप बड़ी रकम उधार दे रहे हैं, तो कानूनी सलाह लेना भी उचित होगा।

नौकरी करते समय भी पैसे कमाने के तरीके हैं एंजेल इन्वेस्टमेंट और म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट

एंजेल इन्वेस्टमेंट हो सकता है बेहतर ऑप्शन

एंजेल इन्वेस्टमेंट, किसी व्यक्ति द्वारा किसी कंपनी में निवेश करने की प्रक्रिया है। आम तौर पर, यह निवेश किसी स्टार्टअप कंपनी में होता है जो विकास के शुरुआती चरण में होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी में इक्विटी के बदले में निवेश करते हैं। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी की संपत्ति पर कोई दावा नहीं करते और इसलिए, उनकी पूंजी असुरक्षित होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी को सफल होने में मदद करने के लिए सलाह या प्रत्यक्ष प्रबंधन सहायता भी देते हैं। इन सबके साथ पैसे के लेन-देन को अपने रिश्ते से अलग रखें।

एंजेल नेटवर्क क्या करता है?

एंजेल नेटवर्क, कई एंजेल निवेशकों का एक समूह होता है। यह पूंजी निवेश से आगे निकलकर, स्टार्टअप को उद्योग विशेषज्ञता, संपर्क, और मार्गदर्शन भी देता है। इससे स्टार्टअप को चुनौतियों से निपटने और उचित फैसले लेने में मदद मिलती है। एंजेल नेटवर्क से फंडिंग पाने से स्टार्टअप की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। इससे स्टार्टअप के लिए बांड के चरण में निवेश आकर्षित करना आसान हो जाता है। एंजेल नेटवर्क, नेटवर्किंग के अवसरों को सुविधाजनक बनाते हैं और स्थानीय स्टार्टअप सिस्टम में योगदान करते हैं। शेयर बाजार और

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमाने के ये मुख्य तरीके हैं -

- डिविडेंड पाना
- पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से कमाई
- विवरित सेक्युरिटीज़ को लाभ पर बेच कर पूंजीगत लाभ

शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने के लिए, सही समय पर बाजार में प्रवेश करना ज़रूरी है। सबसे कम कीमत पर शेयर खरीदने से संभावित लाभ बढ़ता है। वहीं, जब शेयर की कीमत सबसे ज्यादा हो, तब उसे बेचना फायदेमंद होता है। कुछ कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड के रूप में लाभांश का भुगतान करती हैं। डिविडेंड एक निश्चित राशि या कंपनी के मुनाफे का एक प्रतिशत हो सकता है।

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करने के लिए, 500 या 1,000 रुपये की SIP से शुरुआत की जा सकती है। इसमें साप्ताहिक, मासिक, तिमाही, या सालाना आधार पर SIP के विकल्प मिलते हैं। इसके साथ ही डायरेक्ट प्लान के तहत, सीधे म्यूचुअल फंड की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन निवेश किया जा सकता है। एडवाइजर, ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए भी पैसा लगाया जा सकता है। डायरेक्ट निवेश में फंड हाउस को कम चार्ज देना होता है। म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट से होने वाली कमाई, पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से होती है।



कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत बेहतर विकल्प है फ्रीलांसिंग

देखा जाए तो फ्रीलांसिंग कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत एक बेहतर विकल्प है। इसमें कंपनियों को इंप्लाइन का बोझ नहीं होता और ज़रूरत के अनुसार वह एम्प्लॉई (फ्रीलान्सर्स) से काम ले सकते हैं, बिना किसी लायबिलिटी के!

आपने कार्य को आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में अगर आपके पास पहले से पोर्टफोलियो तैयार न हो, बेशक आप उस कार्य में जितने भी पारंगत क्यों न हों, तो आपके लिए कार्य प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए अपने पोर्टफोलियो पर ज्यादा ध्यान दें। शुरुआत में बेशक आपको किसी वेबसाइट पर कम पैसे मिलें, लेकिन पोर्टफोलियो बन जाने और कस्टमर रिव्यू मिलने के बाद आप मनचाहे रेट पर कार्य कर सकते हैं।

टाइम्सली डिलीवरी

पर रहे ध्यान

ऑनलाइन फ्रीलांसिंग कार्य करने वालों से जो सबसे ज्यादा उम्मीद की जाती है, वह है किसी कार्य की टाइम्सली डिलीवरी। ज़ी हो! अगर आप तब समय पर किसी चीज़ को डिलीवर करने का वादा करते हैं, बेशक वह कोई पोस्टर हो, कोई वेब डिजाइनिंग हो, कोई मोबाइल एप्लीकेशन हो या कोई आर्टिकल ही क्यों न हो, तो आपको निश्चित समय पर उसकी डिलीवरी सुनिश्चित करनी चाहिए। इसी प्रकार उसे इत्यादी की शर्तें बेहद साफ होनी चाहिए, क्योंकि अगर कोई कस्टमर शिकायत करता है या गलत रिव्यू लिखता है तो संबंधित वेबसाइट पर आपकी प्रोफाइल के खराब होने का डर रहता है। ख़ासकर जब पैसे से अधिक बार कस्टमर रिव्यू खराब मिलते पर नए कस्टमर आपसे जुड़ने से बचने लगेंगे, जो किसी भी फ्रीलांसर के लिए घातक होता है।

इंटरनेशनल मार्केट के लिए अंग्रेजी सीखें

यह कोई अनिवार्यता नहीं है, किंतु अगर आप लगातार इंग्लिश सीखते रहते हैं तो आपको बाकी दुनिया से कनेक्टिविटी बनाने में आसानी रहती है। बल्कि कई फ्रीलांसिंग वेबसाइट तो इसी आधार पर आपको कार्य देती हैं कि आपको अंग्रेजी का ज्ञान बेहतर है। अगर अंग्रेजी पढ़ने, लिखने और बोलने में आप सिद्धंत हैं तो आप आसानी से क्लाइंट की बातों को न केवल समझ पाएंगे बल्कि कम्युनिकेशन के माध्यम से उसे प्रभावित भी कर सकेंगे। ऐसे में बेशक आपकी आपकी अंग्रेजी बेहतर न हो, लेकिन अगर आप फ्रीलांसिंग वर्ल्ड में गंभीरता से अपना कैरियर बनाना चाहते हैं, तो अंग्रेजी बेहतर करने की और आपका ध्यान लगातार बने रहना चाहिए।

फाइनेंस मैनेजमेंट से जुड़े क्षेत्र में बनाएं कैरियर

आज के समय में हर छोटी से लेकर बड़ी कंपनियों को अपने पैसे का प्रबंधन बेहद सावधानी से करना पड़ता है। उन्हें मनी मैनेजमेंट कुछ इस तरह करना होता है, चाहे वह अपने लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकें और लाभ भी कमा सकें। इन लक्ष्यों को पूरा करने व वित्त संबंधी योजनाओं को बनाने के लिए उन्हें एक एक्सपर्ट की जरूरत होती है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय में फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स की डिमांड काफी बढ़ी है। अगर आपको लगता है कि आप पैसे का प्रबंधन बेहद ही कुशलतापूर्वक कर सकते हैं तो इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कैसे बने एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट-

क्या होता है काम

एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट का मुख्य काम कंपनी की लागत में कटौती करके उनके लाभ को

अधिकतम करना होता है। वे कंपनी की पॉलिसी और उनके लक्ष्यों के आधार पर आय और व्यय की योजनाएं बनाते हैं। ये वास्तव में एक फाइनेंशियल डॉक्टर होते हैं, जो किसी व्यक्ति या संगठन के फाइनेंशियल हेल्थ की देखभाल करने के लिए जिम्मेदार हैं, वित्तीय लक्ष्यों की क्रमबद्ध और व्यवस्थित उपलब्धि सुनिश्चित करते हैं। वित्तीय रिपोर्ट तैयार करना, निवेश गतिविधियों का मार्गदर्शन और समय धन प्रबंधन एक वित्तीय प्रबंधक के प्रमुख कर्तव्य हैं। वे वित्तीय रणनीतियों को विकसित करके अपने स्थायी लक्ष्यों को प्राप्त करने में संगठन की मदद करते हैं। अगर किसी कंपनी का वित्तीय प्रबंधन बेहतर होता है तो मुश्किल हालातों में भी कंपनी का अस्तित्व संकट में नहीं आता।

एजुकेशन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि फाइनेंस मैनेजमेंट के क्षेत्र में कैरियर देख रहे छात्रों के पास वित्तीय विस्तारण व रचनात्मक सोच का होना बेहद ज़रूरी है। इसके अलावा उनके पास अच्छा संचार व इंटरपर्सनल सिक्यूरिटी होना चाहिए। इनकी ही नहीं, उन्हें वर्तमान वैश्विक-राष्ट्रीय परिदृश्य के बारे में ज्ञान को हमेशा अपडेट करते रहना चाहिए। साथ ही अच्छे गणितीय और विश्लेषणात्मक कौशल, नवीनतम कंप्यूटर प्रौद्योगिकी का ज्ञान,

समस्या-समाधान, निर्णय लेने और संगठन कौशल उनके काम को काफी आसान बनाता है। वृत्ति वित्तीय प्रबंधकों को एक फर्म में विभिन्न विभागों के साथ बड़े पैमाने पर काम करना पड़ता है, इसलिए व्यवसाय की व्यापक समझ आवश्यक है। किसी भी विदेशी भाषा में प्रवीणता इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ है।

योग्यता

भारत के अधिकांश बिजनेस स्कूल में एमबीए की पढ़ाई के दौरान फाइनेंस को अलग से पढ़ाया जाता है। इस प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए छात्र का ग्रेजुएट होना ज़रूरी है। एम्प्लॉय के अलावा आप इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, ग्रेजुएट व पोस्टग्रेजुएट कोर्स करके भी बतौर प्रोफेशनल काम कर सकते हैं। फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित पाठ्यक्रमों में से कुछ वार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिसिस (सीएफए), चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, कॉन्स्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स, सर्टिफाइड ट्रेजरी मैनेजर कोर्स, सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट कोर्स, सर्टिफाइड इन्वेस्टमेंट बैकर कोर्स, सर्टिफाइड रिस्क एंड इन्श्योरेंस मैनेजमेंट कोर्स आदि हैं। इन कोर्स को ज़्वॉइन करने के लिए कामर्स या इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन होना अनिवार्य है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। सरकारी एंजलाइस, निजी कॉर्पोरेट और वित्तीय संगठन जैसे बैंक और बीमा उद्योग आदि अपने प्रतिष्ठानों में वित्तीय प्रबंधकों को नियुक्त करते हैं। यहां तक कि दान संगठनों जैसे गैर-लाभकारी संगठनों को भी एक वित्त प्रबंधकों की आवश्यकता होती है। हालांकि वित्त में एक संभावित उम्मीदवार से यह उम्मीद की जाती है कि वह किसी बड़े कॉर्पोरेट में जाने से पहले किसी भी छोटे संगठनों में कुछ पेशेवर अनुभव हासिल करे। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी जाँच की तलाश कर सकते हैं। कैरियर कोच कहते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके कार्य कौशल और अनुभव के आधार पर बढ़ती जाती है। एम्पली करने के पश्चात् एक केशर 10000 से 30000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी 50000 रूपए से लेकर लाखों रूपए प्रतिमाह तक हो सकती है।





‘रामायण’ और ‘लव एंड वॉर’ के बाद इन दो बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे रणवीर कपूर

अपनी आगामी फिल्म ‘रामायण’ में प्रभु राम की भूमिका से रणवीर कपूर ने अपनी नई झलक से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। यह फिल्म इसी साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस बेसब्री से रणवीर को भगवान राम के रूप में देखने का इंतजार कर रहे हैं। अभी रणवीर ‘रामायण’ और ‘लव एंड वॉर’ फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि इन दोनों फिल्मों के बाद रणवीर किस बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने वाले हैं?

इन दोनों रणवीर कपूर ‘रामायण भाग 1’ और ‘लव एंड वॉर’ फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं, जो लगभग अक्टूबर 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। शूटिंग खत्म होने से पहले ही रणवीर ने अगली फिल्मों की योजना बनाना शुरू कर दिया है। रणवीर संदीप रेड्डी वांग्वा कि ‘एनमिल पार्क’ से पहले एक और बड़े प्रोजेक्ट पर करना चाहते हैं, जिसकी शूटिंग 2027 के आखिर में शुरू हो सकती है। एक खबर के अनुसार, रणवीर कई रिफ्ट पढ़ रहे हैं। उनमें दो बड़ी फिल्में सबसे मजबूत दावेदार हैं। पहली- अयान मुखर्जी की ‘ब्रह्मास्त्र 2’ और दूसरी यश राज फिल्म की ‘धूम 4’। रणवीर ने दोनों फिल्मों के मूल आइडिया सुन लिए हैं। दोनों की कहानी उन्हें पसंद आई है। लेकिन वे पूरी लिखित स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद ही कोई फैसला लेंगे।

‘धूम 4’ और ‘ब्रह्मास्त्र 2’ की लेकर रणवीर की तैयारी ‘धूम 4’ शुरूआती स्टेज में है। अभी डायरेक्टर भी फाइनल नहीं हुआ है। ‘ब्रह्मास्त्र 2’ में कार्टून की समस्या आ रही है। दीपिका पादुकोण अमृता का रोल करने वाली थीं, लेकिन दोबारा प्रेगनेंसी की वजह से अब दूसरी अभिनेत्री की तलाश की जा रही है। दत्त अस्ल, रणवीर ‘रामायण 2’ और ‘एनमिल पार्क’ के बीच के समय में एक बड़ी फिल्म करना चाहते हैं। फिलहाल, ‘ब्रह्मास्त्र 2’ को थोड़ी ज्यादा प्राथमिकता मिल रही है। हो सकता है कि जून 2026 तक रणवीर अंतिम स्क्रिप्ट पढ़कर अपना फैसला ले लेंगे। इस बीच रणवीर फिल्ममेकर्स से मिल रहे हैं और अपने व्यस्त शेड्यूल में समय निकालकर नए आइडिया पर काम कर रहे हैं।

प्रीमियर के लिए तैयार आसमानी इस फिल्म को अपने बच्चे की तरह मानती हूँ



कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म ‘आसमानी’ अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि दस साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले दस साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म ‘आसमानी’ का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, ‘यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूँ कि यह फिल्म लोगों के दिल

तक पहुंचे।’ इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है। उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी ध्यान और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीपा मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, ‘गुड लक और प्लेजी!’ ‘आसमानी’ सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मराठूर अभिनेत्री रेवती और अभय कोल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह-निर्माता के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है। सयानी ने पहले बताया था कि वह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हैं और जिनमें नए विचार हैं। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले। इसलिए वह हर प्रोड्यूसर को धीरे-धीरे, लेकिन पूरी मेहनत और समझ के साथ करना चाहती हैं।

‘भूत बंगला’ का बनेगा सीक्वल? एकता कपूर तैयार करेंगी पूरी फ्रेंचाइजी!

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी की कमबैक फिल्म ‘भूत बंगला’ इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्लिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद से थोड़ी ही कमाई कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मेकर्स फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, तभी वो फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। जो हां सही सुना आपने, प्रोड्यूसर एकता कपूर भूत बंगला का सीक्वल बनाना चाहती हैं और वो इसे एक फ्रेंचाइजी के तौर पर विकसित करना चाहती हैं।

फ्रेंचाइजी बनाना चाहती है एकता एक रिपोर्ट के मुताबिक, ‘भूत बंगला’ की निर्माता एकता कपूर फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रही हैं। उनकी योजना इसे एक फूल-फलेज्ड फ्रेंचाइज में बदलने की भी है। एकता कपूर के करीबी एक सूत्र ने बताया, ‘भूत बंगला को परिवारों से मिल रहे ध्यान और प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्माता निश्चित रूप से इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यह एक रोमांचक क्षेत्र है और इसलिए सीक्वल बनने

की पूरी संभावना है।’ हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी शुरूआती चरण में है, लेकिन हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एकता की रुचि को देखते हुए, वह इस क्षेत्र में और भी कहानियों के साथ वापसी करना चाहती हैं। ‘भूत बंगला’ के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। हालांकि, फिल्म को अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी के फैन काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की शुरूआत उतनी दमदार नहीं रही, जितनी उम्मीद थी। शुरूआती पांच दिनों में खबर लिखे जाने तक फिल्म सिर्फ 70 करोड़ रुपये की कमाई ही कर पाई है।



सारा अर्जुन ने रणवीर सिंह के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया

सारा अर्जुन ने ‘धुरंधर’ फ्रेंचाइजी में यालीना की भूमिका से काफी सुर्खियां बटोरी हैं। हाल ही में उन्होंने रणवीर सिंह के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। सारा अर्जुन ने बताया कि रणवीर से बेहतर को-स्टार कोई नहीं हो सकता। सारा के मुताबिक, रणवीर सिंह बेतौर एक्टर सिर्फ अपनी भूमिका तक नहीं सीमित रखते, बल्कि पूरी फिल्म के बारे में सोचते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक एक्टर के तौर पर वे रणवीर की बहुत बड़ी फैन हैं। सारा अर्जुन ने हाल ही में फेमिना इंडिया के साथ हुई एक बातचीत में कहा, ‘एक को-एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वे सच में यह मानते हैं कि यह सिर्फ उनकी फिल्म नहीं, बल्कि सच्ची फिल्म है। वे सिर्फ दूसरे एक्टर के साथ ही ऐसे नहीं हैं, बल्कि



अनुभव सिन्हा ने बताया बॉक्स ऑफिस पर क्यों असफल रही ‘अस्सी’



अनुभव सिन्हा की फिल्म ‘अस्सी’ सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर स्ट्रीम कर रही है। भारत में होने वाले दुर्घम जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित इस फिल्म को क्लिटिक्स से जमकर सराहना मिली थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म वो कमाई नहीं कर सकी, जिसकी मेकर्स को उम्मीद थी। अब हाल ही में निर्देशक अनुभव सिन्हा ने समीक्षकों द्वारा मिली फिल्म की सराहना पर बात की। साथ ही उन्होंने ये भी समझाया कि आखिर क्यों ‘अस्सी’ बॉक्स ऑफिस पर वैसी कमाई नहीं कर पाई। फिल्म को मिली प्रतिक्रियाओं से खुश हैं निर्देशक इडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान अनुभव सिन्हा ने ‘अस्सी’ को मिली पॉजिटिव प्रतिक्रियाओं के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने मैसेज, डीएम और रीतों के माध्यम से प्रशंसा की है। मैसेज भेजने का तरीका बदल गया है। जब तक लोग सकारात्मक बातें कह रहे हैं, मैं खुश हूँ। फिल्म के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा से उम्मीद थी कि ‘अस्सी’ ‘थपड़’ की तरह चर्चाओं को जन्म देगी। यही

कारण है कि मैं ये फिल्में बनाता हूँ। हो सकता है मेरे पास सभी जवाब न हों, लेकिन समाज मुझे कहीं ज्यादा जानता है। अगर लोग इन मुद्दों पर बात करेंगे, तो उन्हें सवाल और जवाब दोनों मिल जाएंगे। उद्देश्य तो उन्हें प्रभावित करना था, लेकिन इसने उन्हें मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा प्रभावित किया है। अब बाहर निकलने और सिनेमाघरों में जाने की आदत बदल गई वया दर्शक ऐसे गंभीर मुद्दों और विषयों के लिए तैयार हैं? इस सवाल पर अनुभव सिन्हा ने कहा कि हम अपने दर्शकों को हल्के में लेते हैं। उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है। यह एक ऐसा देश है जहां प्रकाश मेहरा, मनमोहन देसाई, गोविंद निहलानी, श्याम बेनेगल और बसु चटर्जी जैसे फिल्म निर्माता, एक ही समय में सफल हुए। यह भारतीय दर्शकों की विविधता को दिखाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि बदलती आदतों का असर सिनेमाघरों में जाने पर पड़ा है। अब बाहर जाना कम हो गया है क्योंकि यह कम सुविधाजनक हो गया है। यह सिर्फ सिनेमा तक ही सीमित नहीं है, खरीदारी की आदतें

भी बदल गई हैं। लोगों के पास अब घर पर ही आसान विकल्प मौजूद हैं।

12 लाख लोगों ने सिनेमाघरों में देखी ‘अस्सी’

फिल्म के कलेक्शन के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि सफलता सापेक्ष है। इस तरह की फिल्म के लिए व्यवसायिक सफलता बहुत महत्वपूर्ण है। ये फिल्में बनाते आते देखा मुश्किल होता है, इसलिए स्वाभाविक रूप से आर्थिक रूप से इन्हें सफल बनाना भी कठिन होता है। लेकिन यह एक ऐसा चुनाव है जो आगे करते हैं और आपको इसके साथ जीना पड़ता है। आगे चांद के बारे में सोचते हैं, यह जानते हुए भी कि चांद मिलना संभव नहीं है। लेकिन ‘अस्सी’ उम्मीद से भी कम रही। यह भय तो नहीं बढ़ी, लेकिन सिनेमाघरों में आने वाले दर्शकों की संख्या के लिहाज से भी यह उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। फिर भी 12 लाख से अधिक लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्म देखी, जो बेहतर है।

कुछ प्रतिक्रियाओं ने प्रभावित किया फिल्म का कलेक्शन

फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर सफल न होने वाले कारणों पर बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि कई समीक्षकों, हालांकि सकारात्मक थीं, लेकिन उनमें ‘परेशान करने वाली’ या ‘दिल दहला देने वाली’ जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। मुझे लगता है कि यही फिल्म के लिए बाधा साबित हुआ। दर्शकों की प्रतिक्रियाओं ने भी धारणा को प्रभावित किया। लोगों ने कहा, ‘यह सबके लिए नहीं है’ या ‘अगर आप संवेदनशील हैं तो इसे न देखें’। एक तरह से इसने फिल्म के खिलाफ काम किया। हालांकि, फिल्म की प्रशंसा ने भी मदद की।



सीजी बोर्ड परिणाम : बीएसपी स्कूलों का सराहनीय प्रदर्शन, हिरीं माइंस में 100% सफलता

नई दृष्टिविंदु / मिलाई

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के हाई स्कूल प्रमाणपत्र (कक्षा 10वीं) एवं उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र (कक्षा 12वीं) परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के अंतर्गत संचालित विद्यालयों ने दोनों स्तरों पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर दिखाया है।

कक्षा 10वीं परीक्षा में बीएसपी के अंतर्गत संचालित दो विद्यालयों—भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 (टाउनशिप) एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिरीं माइंस—से कुल 107 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। समग्र उतीर्ण प्रतिशत 77.57 रहा। इसमें से उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिरीं माइंस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विशेष पहचान बनाई, जहाँ 29 विद्यार्थियों में से 26 छात्र सफल रहे और विद्यालय का उतीर्ण प्रतिशत 89.66 रहा। वहीं भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में 78 विद्यार्थियों में से 41 छात्र उतीर्ण हुए, जिससे

विद्यालय का परिणाम 69.23 प्रतिशत रहा।

कक्षा 10वीं की मेरिट सूची में भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के विद्यार्थियों का विशेष स्थान रहा। हरिकता पाल एवं के. हरिका ने 91.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी विद्यालय की निष्पत्ति चतुर्थी में 87.80 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिरीं माइंस की निष्पत्ति राज लोधी ने 85.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कक्षा 12वीं परीक्षा में टाउनशिप स्थित बीएसपी के दो विद्यालयों से कुल 118 विद्यार्थी सम्मिलित हुए, जिनका समग्र उतीर्ण प्रतिशत 84.75 रहा। भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से सर्वाधिक 103 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 73 छात्र सफल रहे, जिससे विद्यालय का परिणाम 89.32 प्रतिशत उच्च किया गया। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-11 में 15 विद्यार्थियों में से 5 छात्र उतीर्ण हुए, जिससे विद्यालय का उतीर्ण प्रतिशत 53.33 रहा।



कक्षा 12वीं की शीर्ष तीनों स्थान भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के गणित संकाय के विद्यार्थियों ने प्राप्त किए। विनय कुमार बघेल ने 93.40 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात सीएच पवन कल्याण ने 91.00 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि मोहिका ने 82.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। समग्र रूप से बीएसपी के विद्यालयों

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा की बेटी रिया केशरवानी को दी बधाई, दसवीं बोर्ड में प्रदेश में द्वितीय स्थान हासिल किया

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विद्यार्थी विजय शर्मा ने कवर्धा की होहार छात्रा रिया केशरवानी को कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर दूरभाष के माध्यम से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने रिया को इस उत्कृष्ट उपलब्धि को पूरे जिले के लिए गर्व का विषय बताया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छात्रा रिया केशरवानी के साथ-साथ उनका माता-पिता, परिजनों तथा विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि रिया की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करेगी। उल्लेखनीय है कि स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, कवर्धा की छात्रा रिया केशरवानी ने 600 में से 593 अंकों प्राप्त कर 98.83 प्रतिशत के साथ प्रदेश की मेरिट सूची में द्वितीय स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है। उप मुख्यमंत्री ने रिया के उच्चतम भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे हैं और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छुने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

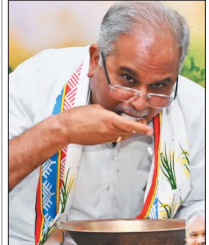


विद्यालयों ने भी अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रभावी प्रदर्शन किया है।

खास खबर

कल मजदूर दिवस पर दुर्ग आयेगे पूर्व मुख्यमंत्री बघेल सहित वरिष्ठ नेता

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग



1 मई मजदूर दिवस पर हर साल की तरह इस वर्ष भी राजीव भवन दुर्ग में आल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष क्षितिज चंद्रकार के नेतृत्व में बड़े बासी तिहारा मनाया जाएगा। जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू शामिल होंगे। आयोजनकर्ता क्षितिज चंद्रकार ने बताया की पूर्व

मुख्यमंत्री के साथ जिले के सभी वरिष्ठ नेता का युवं विधायक अरुण बोरा, जिला कांग्रेस दुर्ग महार अध्यक्ष धीरज बाबलगाँवा, जिला कांग्रेस दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर, जिला कांग्रेस भिलाई सह अध्यक्ष मुकेश चंद्रकार प्रदेश महासचिव राजेश साहू, दीपक बघेल, जितेंद्र साहू सहित अन्य सचिव प्रतिनयन पर कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में मजदूर दिवस पर मजदूरों का सम्मान किया जाएगा वह सभी समाज के प्रमुख लोगों को इसमें विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

विश्व इस्पात दिवस पर हजान राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र की दोहरी जीत



भिलाई। विश्व इस्पात दिवस के अवसर पर सेल सेप्टेमी ऑर्गनाइजेशन (एसएसओ), संची द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित हजान राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कार्यपालक एवं गैर-कार्यपालक दोनों श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इस प्रतियोगिता में देश भर से प्रतिभागियों ने भाग लेकर औद्योगिक सुरक्षा जागरूकता एवं परिचालन उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र का प्रतिनिधित्व इस्पात गलन शाखा22 (एसएमएस-2) की टीमों द्वारा किया गया। कार्यपालक श्रेणी में सहायक महाप्रबंधक अदिनंद कर, वरिष्ठ प्रबंधक के. पवन कुमार एवं सहायक प्रबंधक सुमित कुमार ने सुरक्षा मामलों की महान समझ, तकनीकी दक्षता एवं प्रभावी प्रतिक्रिया कोशल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान अर्जित किया। इसी प्रकार, गैर-कार्यपालक श्रेणी में विनय, शिव कुमार एवं चंदन शर्मा की टीम ने उत्कृष्ट समन्वय एवं परिचालन कोशल का परिचय देते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जिससे भिलाई इस्पात संयंत्र को इस प्रतिस्पर्धा में दोहरी सफलता प्राप्त हुई। इस उपलब्धि पर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया तथा संयंत्र प्रबंधन एवं सहकर्मियों द्वारा उनकी सराहना की गई। हजान प्रतियोगिता इस्पात उद्योग में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने एवं आपात स्थितियों के प्रति तत्परता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।



बीएमडीसी में एलेवेटिंग एग्जीक्यूटिव प्रोजेन्स फॉर स्ट्रैटेजिक लीडरशिप विषय पर हुआ दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नई दृष्टिविंदु / मिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर (बीएमडीसी) में एलेवेटिंग एग्जीक्यूटिव प्रोजेन्स फॉर स्ट्रैटेजिक लीडरशिप विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 28-29 अप्रैल को किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों के मध्य नेतृत्व क्षमता की प्रभावशीलता को सुदृढ़ करना था, जिसमें एग्जीक्यूटिव प्रोजेन्स, रणनीतिक चिंतन एवं संश्लेषण कोशल के विकास पर विशेष धन दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक प्रभासी सुनील कुमार श्रीवास्तव के स्वागत उद्घोष के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं अपेक्षित परिणामों को रेखांकित किया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों का संचालन पूर्व निदेशक, सिपिंग कॉरपोरेशन



आई इंडिया लिमिटेड एवं सेल के पूर्व कार्यपालक निदेशक एमपीएस जूरी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने व्यापक अनुभव के आधार पर एग्जीक्यूटिव प्रोजेन्स के प्रमुख आधार—ग्रेविटिटी, क्रमिकेशन एवं अपीयरेंस तथा इनकी भूमिका को विश्वसनीयता एवं प्रभाव स्थापित करने में

वित्तरास से समझाया। साथ ही, उन्होंने इमोशनल इंटेलिजेंस, पर्सनल ब्रांडिंग एवं नेटवर्किंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला, जो प्रभावी नेतृत्व विकास में सहायक हैं। उद्घाटन सत्र में एस. पी. एस. जूरी द्वारा साक्षा की गई प्रभावशाली कहानी ने कार्यक्रम की प्रभावशीलता शुरुआत करते हुए प्रतिभागियों

के लिए एक सकारात्मक एवं विचारोत्तेजक वातावरण का निर्माण किया। उनके सत्र अत्यंत सवादात्मक रहे, जिन्हें प्रतिभागियों द्वारा सराहा गया। यह कार्यक्रम महाप्रबंधक सौरभ वाण्ये के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जबकि अधिनत विषयकर्मों कार्यक्रम समन्वयक रहे। उद्घाटन सत्र का संचालन प्रशासनिक सहयोग के. शिवा द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक, सौरभ वाण्ये ने दिया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कुल 33 अधिकारियों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अपनी नेतृत्व क्षमता, संश्लेषण कोशल एवं व्यावसायिक प्रभावशीलता को सुदृढ़ करने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी एवं प्रसन्निक बताया। यह पहल भिलाई इस्पात संयंत्र में नेतृत्व विकास एवं क्षमता निर्माण के सतत प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202604101000178

विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

कृपया पृष्ठ नं. 00046 [[RE]] पक्षकारों का विवरण - अतिरिक्त पक्षकार नगरपालिका, अतिरिक्त पक्षकार

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202604101000177

विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

कृपया पृष्ठ नं. 00046 [[RE]] पक्षकारों का विवरण - अतिरिक्त पक्षकार नगरपालिका, अतिरिक्त पक्षकार

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202604101000112

विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

कृपया पृष्ठ नं. 00046 [[RE]] पक्षकारों का विवरण - अतिरिक्त पक्षकार नगरपालिका, अतिरिक्त पक्षकार

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

एवम् विषय: —अ-6 अ मामले की श्रेणी: —नगरव सन: —2025-2026

बायपास में जमीन अधिग्रहण गड़बड़ झाले की आशंका – सरकारी जांच में ही कम मुआवजा उजागर

खसरा 448/2 में 0.631 हे. के बदले 0.7351 हे. भूमि उपयोग का खुलासा, PWD ने रिपोर्ट मानने से किया था इनकार

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

जिले में बायपास मार्ग निर्माण से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें सरकारी जांच में ही जमीन अधिग्रहण और मुआवजा निर्धारण में बड़ी विसंगति उजागर हुई है। मामले का लखौली स्थित खसरा नंबर 448/2 से संबंधित है, जहां वर्ष 2012 में बायपास निर्माण हेतु 0.631 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित कर मुआवजा दिया गया था। लेकिन आवेदक द्वारा को यह शिकायत के बाद ही राज्य विभाग की संयुक्त जांच में यह पाया गया कि मौके पर लगभग 0.7351 हेक्टेयर भूमि का उपयोग/अर्जन किया गया है।

इस प्रकार करीब 0.1041 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि का उपयोग होने के बावजूद मुआवजा प्रकरण नहीं बनाया गया। जांच रिपोर्ट में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि कम भूमि का मुआवजा प्रकरण बनाया जाना पाया गया। यह निष्कर्ष तहसीलदार एवं राज्यस्तर अमले की आधिकारिक जांच

में सामने आया है।

PWD का रुख सवाल के घेरे में

हालांकि, इस गंभीर निष्कर्ष के बावजूद लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता ने कुछ रिपोर्ट को मानने से इनकार कर दिया था और मामले को पुनः SLR (भूमि अभिलेख) से सीमांकन करने हेतु भेज दिया था। इससे यह प्रश्न उठता है कि: जब सरकारी जांच में ही कमी स्वीकार हो चुकी है, तो कार्रवाई क्यों नहीं की गई? अतिरिक्त उपयोग की गई भूमि का मुआवजा अब तक क्यों लंबित है? क्या विभागीय स्तर पर जिम्मेदारी तय करने से बचा जा रहा है?

प्रशासनिक कार्रवाई की प्रतीक्षा

मामला अब SLR द्वारा पुनः सीमांकन के लिए लंबित था, जिसके बाद वास्तविक स्थिति और स्पष्ट होने की संभावना बताई गई थी। जांच में अतिरिक्त भूमि उपयोग की पुष्टि हो गई है, इस आधार पर संबंधित विभाग को संशोधित मुआवजा प्रकरण

नुसार वास्तविक अर्जित रकबा 0.1041 हेक्टेयर अधिक होना बताया गया।

इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि प्रथम एट्या जांच में यह संकेत मिला कि शासन द्वारा अधिग्रहित घोषित भूमि और वास्तविक उपयोग/कब्जे में अंतर हो सका है। यही कारण है कि संयुक्त जांच कराई गई। यह मामला आगे इन बिंदुओं पर महत्वपूर्ण बनता है— अतिरिक्त भूमि का वास्तविक कब्जा/उपयोग हुआ या नहीं। यदि हाँ, तो उसका वैधानिक अधिग्रहण और मुआवजा क्यों नहीं दिया गया। PWD, राज्य विभाग और भू-अर्जन शाखा के रिर्वाइ में अंतर क्यों है। अर्जन नक्शा, अवाई और मौके की स्थिति में विसंगति है या नहीं।

दस्तावेज से मामला अब काफी स्पष्ट और मजबूत दिखाई देता है। तहसीलदार, राजनांदगांव द्वारा SDM/भू-अर्जन अधिकारी को भेजी गई जांच रिपोर्ट में महत्वपूर्ण निष्कर्ष दर्ज किया गया है कि— खसरा नं. 448/2 में से मुआवजा प्रकरण

केवल 0.631 हेक्टेयर भूमि का बनाया गया था। लेकिन अर्जन नक्से एवं मौके के परीक्षण में कुल 0.7351 हेक्टेयर भूमि बायपास हेतु अर्जन/चिह्नित पाई गई। अर्थात् लाभभाग: 0.1041 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि प्रमाणात अर्जित पाई गई, जिसका मुआवजा प्रकरण नहीं बनाया गया।

यह रिपोर्ट प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि: यह कोई निजी दावा नहीं, बल्कि तहसीलदार की आधिकारिक जांच रिपोर्ट है। इसमें अर्जन नक्से के अनुसार वास्तविक अर्जित रकबे का उल्लेख है। 0.1041 हे. कम भूमि का मुआवजा प्रकरण बनाया जाना पाया गया — यह वाक्य सीधे तौर पर मुआवजा निर्धारण में कमी/त्रुटि की ओर संकेत करता है। इससे निम्न संभावित प्रशासनिक/कानूनी प्रश्न बनते हैं— अतिरिक्त 0.1041 हे. भूमि का अधिग्रहण बिना मुआवजा कैसे हुआ?

अर्जन अवाई अधूरा बनाया गया?

क्या PWD द्वारा वास्तविक उपयोग

छत्तीसगढ़ में पीछे बैठने वालों के लिए भी हेलमेट अनिवार्य

अपर परिवहन आयुक्त रविशंकर बोले सख्ती से होगा पालन, प्रवर्तन के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य में सड़क सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने की दिशा में परिवहन विभाग ने दोषिष्ठा वाहनो पर हेलमेट उपयोग को लेकर व्यापक अभियान शुरू किया है। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि अब केवल चालक ही नहीं, बल्कि पीछे बैठने वाले सहयात्री के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। इसके लिए मोटरवाहन अधिनियम, 1988 तथा केंद्रीय मोटरवाहन नियम, 1989 के प्रावधानों के तहत कड़े प्रवर्तन के निर्देश जारी किए गए हैं।

अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों, अतिरिक्त आरटीओ तथा जिला परिवहन अधिकारियों को जारी निर्देशों में कहा है कि सार्वजनिक स्थान पर दोषिष्ठा वाहन चलाने, सवारी काया बैठने वाले चार चक्के पर अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है। यह प्रावधान मोटरवाहन अधिनियम की धारा 129 में स्पष्ट रूप से उल्लिखित है, जिसमें निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षात्मक हेल्मेट के उपयोग को अनिवार्य किया गया है।

रविशंकर ने कहा, ह्यूबारा 129 केवल चालक तक सीमित नहीं है। यह पीछे बैठने वाले यात्रियों या डीलर द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो के अनुरूप हेल्मेट उपलब्ध

पाषंद एवं नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष रमेश आहूजा द्वारा दिए गए ज्ञापन में भी प्रवर्तन की हिलाई का मुद्दा उठाया गया था और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

अपर परिवहन आयुक्त ने यह भी कहा कि केवल प्रवर्तन पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके साथ व्यापक जन जागरूकता अभियान भी आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्थानीय स्तर पर अभियान चलाकर सवारी को हीलमेट न पहनने के जोखिमों के प्रति जागरूक किया जाए, विशेषकर पीछे बैठने वाले यात्रियों को, जिनकी सुरक्षा अक्सर नजर अंदाज हो जाती है।

सड़क सुरक्षा से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, दोषिष्ठा दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों का बड़ा कारण सिर में गंभीर चोटें हैं, जिनमें हेल्मेट का उपयोग न करना प्रमुख कारक के रूप में सामने आता है। परिवहन विभाग की यह पहल इसी कमी को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। विभाग ने सभी जिलों में समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को नियमित निगरानी के निर्देश दिए हैं।

उम्मीद जताई जा रही है कि इस कड़े प्रवर्तन और जन जागरूकता के संयुक्त प्रयास से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और गंभीर चोटों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

गुवाघर को जिला भाजपा कार्यलय भिलाई में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिलाई जिला संगठन प्रभारी रामजी भारती की उपस्थिति में नगर निगम भिलाई के भाजपा पाषंदों एवं कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम भिलाई में व्याप्त भ्रष्टाचार, आर्थिक अनियमितताओं एवं जनसमस्याओं को लेकर गंभीर चर्चा की गई।

बैठक में भाजपा द्वारा गठित 6 सदस्यीय समिति द्वारा नगर निगम भिलाई में महापौर एवं प्रशासनिक तंत्र द्वारा किए जा रहे विभिन्न आर्थिक अनियमितताओं एवं कथित भ्रष्टाचार के मामलों की समीक्षा प्रस्तुत की गई। समिति ने विशेष रूप से शिक्षा उपकर संचित निधि, 1248 पृष्ठों की नीलामी से प्राप्त राशि के उपयोग, संजय नगर तालाब के समीप स्थित व्यावसायिक भूमि के बिना शासन अनुमति कराए गए आंशिक तथा निगम सामान्य सभा के पारित संकल्पों के विरुद्ध जागरूकता जा रहे कार्यो पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

बैठक में नगर निगम भिलाई के



जिले में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि कलेक्टर ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में इस वर्ष कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में शिक्षा के क्षेत्र में नई उपलब्धि मिली है। जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, शिक्षकों एवं अभिभावकों के समन्वित प्रयासों से परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

कलेक्टर वितेन्द्र यादव ने कलेक्टराई सभाकक्ष में जिले के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से जिला गौरवान्वित हुआ है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह दिन विद्यार्थियों एवं उनके परिवारों के लिए गर्व का क्षण है।

कलेक्टर ने बताया कि जिले में कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 89.41 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत अधिक है। वहीं कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 87.56 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कलेक्टर ने बताया कि जिले में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कक्षा 10वीं में पिछले वर्ष 3908 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए थे,

जो इस वर्ष बढ़कर 5614 हो गए हैं। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या 3842 से बढ़कर 4888 हो गई है।

तृतीय श्रेणी के विद्यार्थियों की संख्या में कमी आना शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार का संकेत है।

कलेक्टर ने कहा कि इस सफलता के पीछे कई नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिले में ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन, आवासीय कोचिंग, मॉडर्न शिप कार्यक्रम, नियमित मूल्यांकन प्रणाली, सामाहिक एवं मासिक परीक्षाएं तथा अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। साथ ही विनोदा एप के माध्यम से विद्यार्थियों

एवं शिक्षकों की उपस्थिति की सतत निगरानी की गई तथा कैरियर काउंसलिंग पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति विद्यार्थियों की रूचि भी बढ़ी है। इस वर्ष नीट एवं जेईई के लिए पंजीवन में वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत लगभग 4 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है, जो पूर्व वर्षों की तुलना में एक बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल, डिप्टी कलेक्टर विश्वास कुमार सहित शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

"यह प्रथम बार जब आलोक तिवारी द्वारा 80/वीं, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़) -490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय द्रष्टा प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उत्तई, दुर्ग, (छ.ग.) -491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। संपदक विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100

GOSWAMI

FLEX PRINTING

ADVERTIZER

मिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

• Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing

• One Way Vision • Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address: 3rd Floor Shop No.3, Arora Tower, M.C. Market

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए

नई दृष्टिबिंदु

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है। प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishtibindu E-Paper सर्व कर ई पेपर देख सकते हैं।

Google

NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER

शाम 4 बजे से पढ़ें

नई दृष्टिबिंदु

नई दृष्टिबिंदु

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

• Birthday Cakes

• Anniversary Cakes

• Custom Theme Cakes

Serving Bhilai & Durg
@DM for Order

Followed by_s_andeep

Follow Message

365x7

365x7

365x7

Order Now:

@baked.by.suhani

MO.6263734520